इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

वर्ष- 45 | अंक - 107 | राजनांदगांव, बुधवार 04 मार्च 2026 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 4.00 रुपए

होली की शुभकामनाएं

समस्त हिंदु त्यौहारों या उत्सवों के पीछे एक ही मर्म रहा है और वह यह है असत्य पर सत्य की विजय, अधर्म पर धर्म की विजय। 'होली' यह भी प्रहलाद रूपी धर्म का हिरण्यकश्यप रूपी अधर्म पर विजय का ही पर्व है। पूरे भारत वर्ष में मनाए जा रहे रंगों का पर्व 'होली उत्सव' कलियुग में भी धर्म पर विजय दिलाता है, इसकी अनुभूति कराता है।

दैनिक 'दावा' के सभी सुधि-पाठकों, विज्ञापनदाताओं व परोक्ष-प्रत्यक्ष सभी सहयोगियों व मित्रों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं।

- सम्पादक

अवकाश

होली पर्व के उपलक्ष्य में दिनांक 04 एवं 05 मार्च 2026 को दैनिक 'दावा' कार्यालय में अवकाश रहेगा। पाठकों को अगला अंक 07 मार्च 2026 को प्राप्त होगा।

- व्यवस्थापक

पाठकों से गुजारिश

आज का होली अंक दैनिक 'दावा' के पत्रकारों ने भांग के नशे में डूबकर लिखा है। पाठकों से आग्रह है कि वे इसे नीर-क्षीर विवेक की दृष्टि से पढ़े। संभव है कि कुछ समाचार गुदगुदाऐ... व्यंग्य बाण मारे... तिलमिलाऐ...। हो सके तो होली के रंग में भीग कर गुनगुनाए-चहके। होली परब पर आपके माथे पर अबीर गुलाल के चंदन हो, होली पर्व की बहुत-बहुत बधाई हो...। शुभकामनाएं एवं हार्दिक अभिनंदन.....

- सम्पादक

भारत के पास सिर्फ 25 दिन का तेल बचा: इजराइल-ईरान जंग के बीच इम्पोर्ट रूट बंद; सरकार नए सप्लायर्स तलाश रही

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान-इजराइल युद्ध के बीच भारत के पास अब सिर्फ 25 दिनों का क्रूड ऑयल यानी कच्चा तेल और रिफाइंड ऑयल का स्टॉक बचा है।

न्यूज एजेंसी एनआई ने देश की एनर्जी सिक्योरिटी को लेकर यह अपडेट सरकारी सूत्रों के मुताबिक दिया है। हालांकि सरकार अभी पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाएगी।

दरअसल, ईरान ने स्ट्रैट ऑफ होर्मुज को बंद करने का ऐलान कर दिया है। साथ ही ईरान की सेना ने चेतावनी दी है कि इस रूट से अगर कोई भी जहाज गुजरता है, तो उसे आग लगा दी जाएगी। ओमान और ईरान के बीच स्थित यह रूट दुनिया के ऑयल बिजनेस के लिए सबसे जरूरी माना जाता है। होर्मुज रूट के बंद होने से दुनिया के कई देशों की तेल सप्लाई पर प्रभाव पड़ेगा, जिसमें भारत समेत एशियाई देशों पर सबसे ज्यादा असर होगा। इस रूट के बंद होने कारण ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें भी 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं। अभी ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 5.58 प्रतिशत बढ़कर 80.41 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का अभी कोई प्लान नहीं

आम जनता के लिए राहत की बात यह है कि भारत सरकार का फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, इंटरनेशनल मार्केट में उतार-चढ़ाव के बावजूद घरेलू स्तर पर कीमतों को स्थिर रखने की कोशिश की जा रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा है कि देश में प्रमुख पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की अवेलेबिलिटी और किफायती दाम तय करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

सोमवार को पेट्रोलियम मंत्री ने रिव्यू मीटिंग की थी

इससे पहले सोमवार को केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और सरकारी तेल कंपनियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की थी। इस बैठक में कच्चे तेल और एलपीजी की सप्लाई स्थिति की समीक्षा की गई। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट कर बताया कि वे बदलती परिस्थितियों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

एक्सपोर्ट-इंपोर्ट पर असर को लेकर सरकार एक्टिव

सिर्फ तेल ही नहीं, बल्कि व्यापार पर पड़ने वाले असर को लेकर भी सरकार एक्टिव है। वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने एक स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन मीटिंग की थी। इसमें इस बात पर चर्चा हुई कि पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव का भारत के एक्सपोर्ट-इंपोर्ट और कार्गो फ्लो पर क्या असर पड़ सकता है। बैठक में लॉजिस्टिक ऑपरेटर्स और शिपिंग लाइन्स के प्रतिनिधियों ने बताया कि *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी होली की शुभकामनाएं, बोले, प्रेम और सद्भाव के रंगों से सराबोर हो होली

रायपुर (दावा)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की है कि यह उल्लास, उमंग और आत्मीयता का महापर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और नई ऊर्जा का संचार करे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि यह आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे को सशक्त बनाने का अवसर है। यह पर्व समाज में समरसता, सद्भाव और एकता की भावना को प्रगाढ़ करता है तथा हमें सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में होली का विशेष महत्व है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय, अहंकार पर विनम्रता की जीत और वैमनस्य पर प्रेम की प्रधानता का संदेश देता है। होली के रंग हमें स्मरण कराते हैं कि विविधताओं से परिपूर्ण हमारे समाज की वास्तविक शक्ति परस्पर विश्वास, अपनत्व और सामूहिक सहयोग में निहित है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस पर्व को हर्षोल्लास, संयम और पारंपरिक मर्यादाओं के साथ मनाएं। प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दें तथा समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के साथ भी इस उत्सव की खुशियां साझा करें।

शराब घोटाले में बड़ी खबर: दुढेजा, अनवर ढेबर समेत पांच लोगों को मिली जमानत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले को लेकर हाईकोर्ट से बड़ी खबर मिली है। शराब घोटाले के पांच आरोपियों को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जिन लोगों को जमानत मिली उनमें पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर, यश पुरोहित, नितेश पुरोहित और दीपेंद्र के नाम शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि शराब घोटाले में आरोपी उपरोक्त सभी ने एसीबी/ईओडब्ल्यू के केश के खिलाफ हाइकोर्ट में जमानत याचिकाएं लगाई थीं। हालांकि जमानत मिलने के बाद भी अनिल टुटेजा और अनवर ढेबर को जेल में ही रहना होगा। यह जमानत याचिका हाईकोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की सिंगल बेंच में लगा था। उधर हाल ही में शराब घोटाले में ही गिरफ्तार सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। हाईकोर्ट ने सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका मंजूर कर ली है। जमानत मिलने के बाद भी 45 दिन तक सौम्या को पड़ेगा जेल में रहना पड़ेगा। एसीबी/ईओडब्ल्यू मामले में रायपुर के विशेष न्यायालय में चार्जशीट होगा पेश। हाईकोर्ट जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा के सिंगल बेंच ने सौम्या, ईडी और एसीबी/ईओडब्ल्यू सभी की दलीलों और तर्कों को सुनने के बाद मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में हाईकोर्ट से फैसला आया है। जिसमें हाईकोर्ट ने सौम्या चौरसिया को ईडी के मामले में हाईकोर्ट के फैसले से तत्काल रिहाई की मंजूरी है। एसीबी/ईओडब्ल्यू के प्रकरण पर सौम्या की रिहाई विशेष न्यायालय रायपुर में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद ही होगी। इससे माना जा सकता है कि सौम्या को अभी फिलहाल कुछ दिन और जेल में ही रहना पड़ेगा।

मेरे भारतीयों को कुछ नहीं होना चाहिए! जंग के बीच पीएम मोदी ने इजरायल सहित इन 8 देशों के नेताओं से की बात

नई दिल्ली। अमेरिका और इस्राइल की ईरान पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया क्षेत्र के हालात तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार की दोपहर खाड़ी क्षेत्र के प्रमुख नेताओं से फोन पर बातचीत की। उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक और कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा अल-खालिद अल-अहम अल-मुबारक अल-सबाह से भी बात की।

प्रधानमंत्री ने दोनों नेताओं से अलग-अलग फोन पर बातचीत की और उनके देशों में हो रहे हमलों पर चिंता जताई। प्रधानमंत्री ने उन देशों में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा पर भी चर्चा की। उन्होंने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हामेद अल-थानी से भी फोन पर बात की। उन्होंने कतर पर हमलों की आलोचना की और देश में भारतीय समुदायों के समर्थन और देखभाल के लिए अमीर का धन्यवाद किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बीते 48 घंटों में जिन देशों के नेताओं से फोन पर बातचीत की है, उनमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), इस्राइल, सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन, ओमान, कुवैत और कतर शामिल हैं। इससे पहले, सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय से भी फोन पर बातचीत की थी। उन्होंने क्षेत्र में फैले तनाव के मुद्दे पर चर्चा की। बातची के बाद प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, मैंने जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय से बातचीत की। क्षेत्र में तेजी से बदले हालात पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की। हमने शांति, सुरक्षा और जॉर्डन की जनता के कल्याण के प्रति अपने समर्थन की फिर से पुष्टि की। इस कठिन समय में जॉर्डन में भारतीय समुदाय का ध्यान रखने के लिए मैंने उनका आभार भी जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को बहरीन के किंग और सऊदी के क्राउन प्रिंस को भी फोन किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, टेलीफोन पर उन्होंने बहरीन के किंग और सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ ईरान और इस्राइल के बीच टकराव समेत कई मुद्दों पर बातचीत की।

सोनिया बोलीं-खामेनेई की हत्या पर भारत की चुप्पी से हैरानी: यह न्यूट्रल रहना नहीं, जिम्मेदारी से पीछे हटना; यह पीएम की ईरान पर हमले की अनदेखी

नई दिल्ली। कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर भारत सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- दिल्ली की चुप्पी हैरान करने वाली है, यह तटस्थता (न्यूट्रल) नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है।

मंगलवार को इंडियन एक्सप्रेस में पब्लिश आर्टिकल में उन्होंने लिखा- 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजराइल के टारगेटेड अटैक में हत्या कर दी गई। जब दो देशों की डिप्लोमैट लेवल की बातचीत चल रही हो, तब एक मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर दरार को दिखाती है। सोनिया ने लिखा कि भारत सरकार ने न तो हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। मोदी ने अमेरिका-इजराइल के हमले को अनदेखा किया, केवल यूएई पर ईरान की जवाबी कार्रवाई की निंदा की। बाद में पीएम ने 'गहरी चिंता' और 'बातचीत व कूटनीति' की बात कही। जबकि हमला उस समय हुआ, जब दो देशों के बीच कूटनीतिक प्रक्रिया जारी थी। यह हत्या बिना किसी औपचारिक युद्ध की घोषणा और उस समय की गई, जब बातचीत की प्रक्रिया चल रही थी। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के मुताबिक, किसी भी देश की सीमाओं या उसकी राजनीतिक आजादी के खिलाफ बल प्रयोग या धमकी देना गलत है। किसी मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की टारगेट किलिंग इन नियमों के खिलाफ है। अगर दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी इस पर आवाज नहीं उठाता तो अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ सकते हैं। हत्या से सिर्फ 48 घंटे पहले प्रधानमंत्री इजराइल यात्रा से लौटे थे। वहां उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू सरकार के समर्थन की बात दोहराई। यह उस समय हुआ, जब गाजा संघर्ष में बड़ी संख्या में आम नागरिक, *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

बीजेपी ने जारी की 9 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, बिहार से नितिन नवीन तो छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा को टिकट

नई दिल्ली (दावा)। भाजपा ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने पत्तों को खोलते हुए उम्मीदवारों की पहली सूची आधिकारिक तौर पर जारी कर दी है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने बिहार, हरियाणा, असम, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों के लिए 9 नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। इस सूची में अनुभवी संगठनकर्ताओं, पूर्व सांसदों और क्षेत्रीय दिग्गजों को प्राथमिकता दी गई है, जिससे पार्टी ने आगामी राजनीतिक समीकरणों को साधने की कोशिश की है।

बीजेपी ने बिहार से पार्टी के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष नितिन नवीन को उच्च सदन भेजने का निर्णय लिया है। नितिन नवीन पूर्व में बिहार सरकार में मंत्री रह चुके हैं और संगठन में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। उनके साथ ही बिहार से शिवेश कुमार को भी प्रत्याशी बनाया गया है, जो पार्टी के प्रमुख दलित चेहरा और प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। वहीं, हरियाणा से पूर्व सांसद संजय भाटिया को उम्मीदवार बनाया गया है, जिन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में करनाल सीट से देश की दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। ओडिशा में बीजेपी ने *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

महायुद्ध: लेबनान में घुसी इजरायली सेना, हिजबुल्लाह के ठिकानों पर भीषण बमबारी

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी महायुद्ध अब और भी भयावह रूप अख्तियार कर चुका है। ईरान के साथ जारी जंग के बीच इजरायली सेना ने लेबनान की सीमा में प्रवेश कर एक नया मोर्चा खोल दिया है।

इजरायली सेना ने लेबनान के 59 इलाकों को तुरंत खाली करने का आदेश दिया है, जिसके बाद अब तक 30 हजार से ज्यादा लोग अपना घर छोड़ चुके हैं। लगातार दूसरे दिन हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाकर की गई बमबारी में 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई है, जबकि 150 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

59 इलाकों को खाली करने का अल्टीमेटम

इजरायली सेना ने लेबनान में घुसने के साथ ही सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए 59 इलाकों को तुरंत खाली करने का सख्त आदेश दिया है। सेना ने स्थानीय नागरिकों को हिजबुल्लाह के ठिकानों से दूर रहने की चेतावनी दी है, जिसके बाद लेबनान के इन क्षेत्रों में सन्नाटा पसरा हुआ है और लोग अपनी संपत्ति छोड़कर भाग रहे हैं।

30 हजार से ज्यादा लोगों का सामूहिक पलायन

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी NHCR की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली सेना की इस कार्रवाई और चेतावनी के बाद अब तक 30 हजार से ज्यादा लोग अपने घरों को छोड़ चुके हैं। शरणार्थियों की ब?ती संख्या ने मानवीय संकट की आशंका बड़ा दी है, क्योंकि लोग सुरक्षित ठिकानों की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं।

हिजबुल्लाह पर मिसाइल और ड्रोन से हमला

इजरायल ने लगातार दूसरे दिन ईरान समर्थित उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह को निशाना बनाते हुए भीषण बमबारी की है। हिजबुल्लाह ने हाल ही में इजरायल के हाईफा शहर के पास *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

12 बम की ई-मेल धमकी से दहला रायपुर: पासपोर्ट कार्यालय खाली, बम स्क्वॉड जांच में कुछ नहीं मिला

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र रायपुर को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को हड़कंप मच गया। मामला सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन क्षेत्र का है, जहां पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धमकी और अफवाह फैलाने समेत विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह पासपोर्ट विभाग की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर एक संदेश प्राप्त हुआ। मेल भेजने वाले ने खुद को तमिलनाडु का निवासी बताते हुए लिखा कि उसकी शिकायतों पर न तो पुलिस ध्यान दे रही है और न ही उसे न्यायालय से राहत मिल रही है, जिससे वह बेहद परेशान है। इसी मेल में उसने दोपहर तक कार्यालय को 12 बमों से उड़ाने की धमकी दी थी। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर पूरे परिसर को खाली करा लिया गया। कार्यालय के अंदर और बाहर घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड को भी मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने पूरे कॉम्प्लेक्स और आसपास के क्षेत्र की बारीकी से जांच की।

हालांकि विस्तृत तलाशी के दौरान किसी भी प्रकार का विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह शरारती या धमकी भरा ई-मेल प्रतीत हो रहा है, लेकिन सुरक्षा को देखते हुए मामले को गंभीरता से लिया गया है। ई-मेल आईडी और आईपी एड्रेस के *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

अमेरिका-इस्राइल-ईरान टकराव पर भारत की नजर, राष्ट्रीय हित में लिए जा रहे फैसले - विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध जैसे हालात पर भारत ने साफ कहा है कि वह स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर जरूरी फैसले ले रहा है। विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों की सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक हितों की रक्षा है।

विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि 28 फरवरी 2026 को ईरान और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष शुरू होने के बाद ही भारत ने गहरी चिंता जताई थी। उस समय भी सभी पक्षों से संयम बरतने और हालात न बिगाड़ने की अपील की गई थी। मंत्रालय ने कहा कि रमजान के पवित्र महीने में हालात और बिगड़े हैं और संघर्ष दूसरे देशों तक फैलता दिख रहा है। बयान में कहा गया कि लगातार हमलों से जानमाल का नुकसान बढ़ा है और सामान्य जीवन तथा आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। भारत इस क्षेत्र का नजदीकी पड़ोसी है और यहां की सुरक्षा व स्थिरता से उसके सीधे हित जुड़े हैं। इसलिए मौजूदा घटनाक्रम भारत के लिए चिंता का विषय है।

भारतीयों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

विदेश मंत्रालय ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। उनकी सुरक्षा और भलाई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हाल के हमलों में कुछ भारतीयों की मौत और लापता होने की खबरें भी आई हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास लगातार समुदाय के संपर्क में हैं और *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

ईरान बातचीत करना चाहता है, लेकिन अब बहुत देर हो गई है- डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली। अमेरिका और इजरायल के हमले ने ईरान को आक्रामक बना दिया है. ईरान अब मिडिल ईस्ट में रह-रहकर उन देशों पर हवाई हमले कर रहा है, जहां-जहां अमेरिका के सैन्यअड्डे हैं. दोनों ओर से हो रहे हमलों के बीच ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है.

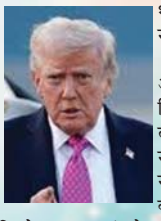

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान का एयर डिफेंस, एयरफोर्स, नेवी और उनकी लीडरशिप चली गई है. उन्होंने (ईरान) कहा है कि वे बात करना चाहते हैं लेकिन मैंने कहा कि अब बहुत देर हो गई. इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमले को लेकर कहा था कि ईरान ऐसी मिसाइलें बना रहा था, जो अमेरिका तक पहुंच सकती थीं.

ट्रंप ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा था कि ईरान के खिलाफ अमेरिका का सैन्य ऑपरेशन जारी है. इस आतंकी सरकार से अमेरिका को गंभीर खतरा बना हुआ था. ईरान परमाणु हथियारों की अपनी जिद पर अड़ा हुआ था. इस वजह से अमेरिका पूरी तरह से अलर्ट था.

उन्होंने कहा था कि इनके पास अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइलें थी. लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा. बीते 47 वर्षों में यह ईरानी सरकार अमेरिकियों पर हमला करती रही है. इस शैतानी सरकार पर हमला करने का ये हमारा आखिरी मौका था.

ट्रंप ने कहा है कि ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान में अमेरिका अपने अनुमानित समय से काफी आगे चल रहा है. इस अभियान में जितना समय लगे, ठीक है. हम करेंगे. यह जंग अगर लंबी भी चली तो भी हमें इससे बोरियत नहीं होगी.

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमने ईरान को समय-समय पर चेताया लेकिन वह नहीं माना. अगर हमें जरूरत पड़ी तो हम सेना भी उतारेंगे. उन्होंने कहा कि ईरानी *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

पहला कॉलम...

होली पर्व पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडे और महापौर ने दी शुभकामनाएं

राजनांदगांव (दावा)। विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडे एवं महापौर मधुसूदन यादव ने नागरिको को होली पर्व की अनन्य शुभकामनाएं दी है। होली पर्व पर विधायक, सांसद एवं महापौर ने कहा कि होली रंग और उल्लास का त्यौहार के साथ ही हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया जाने वाला यह पर्व सामाजिक समरसता तथा एकता की भावना को भी सुदृढ़ बनाता है। विधायक डॉ. रमन सिंह ने कहा कि हमारी भारतीय सनातन संस्कृति का यह महत्वपूर्ण पर्व प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश देता है। यह पर्व प्रदेश में समृद्धि और उन्नति के रंग लेकर हम सबके जीवन में और अधिक सुख-शांति और अच्छा स्वास्थ्य लेकर आये तथा सभी का जीवन सफलता के नये-नये रंगों से रंगायमान हो सभी स्वस्थ रहे और सभी प्रफुल्लित होकर भाई चारे से होली का पर्व मनाए। सांसद श्री पाण्डे ने कहा कि होली का पर्व मतभेद मिटाकर आपस में मिल-जुलकर जीवन में रंग भरने का त्योहार है। इस होली सभी भाई चारे के साथ होली का पर्व उमंग एवं उल्लास के साथ मनाये। उन्होंने कहा कि होली हर्बल रंग एवं गुलाल से मनाये केमिकल वाले रंग एवं गुलाल का उपयोग न करे।

महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि संस्कारधानी की स्वस्थ परंपरा के अनुरूप रंगो और उमंगो का यह त्योहार शांति और सद्भावना के वातावरण में पूरी शालीनता के साथ मनाया जाये। उन्होने अपील की है कि पानी का अप व्यय नही करे और होली मनाने में रंग और गुलालो का उपयोग करे, पानी डालकर होली न मनाये। साथ ही उन्होंने विशेष रूप से बच्चों को होली के दिन जहरीले रासायनिक रंगों से बचने की सलाह दी है। निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सर्वश्री सावन वर्मा, सुनील साहू, राजेश जैन रानू, श्रीमती बिना ध्रुव, शैंकी बग्गा, आलोक श्रोती, राजा माखीजा, श्रीमती वर्षा शरद सिन्हा, श्रीमती केवरा विजय राय एवं डीलेश्वर प्रसाद साहू, सहित अपील समिति के सदस्यों श्रीमती श्रुति लोकेश जैन, संतोष कुमार साहू, श्रीमती मोहनी बाई एवं सेवक राम उइके, वरिष्ठ सभापति श्रीमती खेमीन यादव, कनिष्ठ सभापति संदीप बघेल तथा पार्षदा ने नागरिकों को होली की बधाई देते हुए कहा है कि हमारी हजारो वर्ष पुरानी भारतीय संस्कृति में होली का त्यौहार मनुष्य के जीवन में सामाजिक समरसता और मेल मिलाप के भावना को प्रकट करता है।

पेंड्री में चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाला बदमाश गिरफ्तार, लालबाग पुलिस ने भेजा जेल

राजनांदगांव (दावा)। होली पर्व के दौरान हथियार लहराकर आम लोगों को डराने-धमकाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ लालबाग पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने ग्राम पेंड्री में धारदार चाकू के साथ दहशत फैला रहे एक युवक को रंगे हाथों गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत जेल भेज दिया है। लालबाग थाना प्रभारी रमेश पटेल ने बताया कि शासन और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशानुसार त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 3 मार्च को सूचना मिली कि ग्राम पेंड्री का निवासी राजू साहू पिता लक्ष्मीनारायण साहू उम्र 33 वर्ष हाथ में धारदार चाकू लेकर मोहल्ले में घूम रहा है और राहगीरों व स्थानीय लोगों को डरा-धमका रहा है।

पुलिस की घेराबंदी और गिरफ्तारी

सूचना मिलते ही पुलिस की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी राजू साहू को धर दबोचा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध धारदार चाकू बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के कृत्य को गंभीर मानते हुए उसके विरुद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में की गई। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल दाखिल करने के आदेश जारी किए गए।

रेवाडीह में रंगोत्सव : बहनों ने फाग गीतों पर जमकर लगाए ठुमके, पर्यावरण व जल संरक्षण की ली शपथ

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय रेवाडिह क्षेत्र में होली के पावन पर्व की पूर्व संध्या पर उल्लास और सामाजिक सरोकार का अद्भुत संगम देखने को मिला। समाजसेवी श्रीमती पूर्णिमा साहू के निवास पर आयोजित रंगोत्सव समारोह में मातृशक्ति ने हर्बल गुलाल और फूलों के साथ पारंपरिक होली खेलकर भाईचारे का संदेश दिया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ भगवान राधा-कृष्ण के तैलचित्र पर गुलाल अर्पित कर और सामूहिक पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात आयोजन स्थल फाग गीतों और भजनों की धुनों से गूंज उठा। उपस्थित महिलाओं और बहनों ने पारंपरिक फाग गीतों पर जमकर नृत्य किया और एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की अग्रिम बधाई दी।

मनोरंजन के साथ सामाजिक संदेश

उत्सव के दौरान केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि जनहित के विषयों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। समाजसेवी श्रीमती पूर्णिमा साहू ने उपस्थित सभी महिलाओं को जल संरक्षण, स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण सुरक्षा की सामूहिक शपथ दिलाई। उन्होंने अपील की कि होली का त्यौहार मनाते समय हम पानी की बर्बादी न करें और रसायनों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर पर्यावरण को सुरक्षित रखें। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती मोना गोसाईं, मीना सोनी, प्रेमा सोनकर और कांति मौर्य ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन श्रीमती लक्ष्मी पटेल व संगीता शुक्ला द्वारा किया गया। इस महोत्सव को सफल बनाने में दुर्गा वाहिनी, बागेश्वर धाम महिला समूह और विश्व हिंदू परिषद की बहनों का विशेष योगदान रहा। आयोजन में मुख्य रूप से आभा तिवारी, बबीता मिश्रा, प्रज्ञा गुप्ता, माया खण्डेलवाल, मीना यादव, अनिता फान्सिस, एन कुमारी महोबिया, पम्पा सिन्हा, जमुना देवी साहू, प्रतिभा साहू, रश्मिलता सोनी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित थी।

जिम में बहा पसीना, तो मानवता के लिए बहा रक्त : सुजल फिटनेस जिम में 37 युवाओं ने किया रक्तदान

राजनांदगांव (दावा)। छात्र युवा मंच राजनांदगांव और बालाजी ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वाधान में एक अनूठी पहल करते हुए खैरागढ़ स्थित सुजल फिटनेस जिम में रक्तदान एवं ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया। होली के पावन अवसर और पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, युवा उपसरपंच भागवत वर्मा तथा प्राचार्य दिलीप कोमरे के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस शिविर में 37 रक्तवीरों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानवता की सेवा का संकल्प लिया। यह आयोजन छात्र युवा मंच का 142वां रक्तदान शिविर था। मंच के संयोजक और स्वयं 52 बार रक्तदान कर चुके नागेश यदु ने इस सफलता का श्रेय समस्त पदाधिकारियों और सदस्यों की सेवा भावना को दिया। उन्होंने कहा कि छात्र युवा मंच पिछले 13 वर्षों से निरंतर जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित है और यह सिलसिला भविष्य में भी जारी रहेगा।

युवाओं में दिखा उत्साह

शिविर में पहली बार रक्तदान करने वालों की संख्या उल्लेखनीय रही। दिग्विजय कॉलेज के अध्यक्ष बालकृष्ण कोमरे ने अपने पिता के जन्मदिवस पर 21 वर्ष की आयु में अपना पहला रक्तदान किया। उन्होंने इसे 'नर सेवा, नारायण सेवा' बताते हुए युवाओं से अपील की कि वे नियमित रूप से रक्तदान करें। शिविर प्रभारी साहिल जंघेल और जिम के संस्थापक सुजल महोबे ने रक्तदाताओं के योगदान की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने का आश्वासन दिया। रक्तदान करने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को छात्र युवा मंच द्वारा हेलमेट और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। हेलमेट वितरण के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर बालाजी ब्लड बैंक के संचालक धनेश जंघेल, युवा ग्रुप (छुईखदान) के शरद वैष्णव, छात्र युवा मंच के प्रदेश महामंत्री योगेश जंघेल, शिक्षक राधेश्याम जंघेल, दिग्विजय कॉलेज उपाध्यक्ष गितेश देवांगन और आदर्श यादव सहित बड़ी संख्या में युवा और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नन्हे तीरंदाजों का सटीक निशाना : रायपुर में जीते 5 स्वर्ण सहित 7 पदक, आंध्र प्रदेश में करेंगे राज्य का प्रतिनिधित्व

राजनांदगांव (दावा)। जिला पुलिस तथा अभिलेख अग्रहरि फाउंडेशन के द्वार संचलित राह एकेडमी के नन्हें बच्चों ने रायपुर में अयोजित की गाई मिनी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ दर्शन किया तथा 200 से अधिक बच्चों के बीच होने वाली प्रतियोगिता में राजनांदगांव का नाम रोशन करते हुए उक्त प्रतियोगिता को अपने नाम किया। जिसके लिए पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, आर.आई. लोकेश कसेर, अभिलेख अग्रहरि वेल्फेयर फाउंडेशन तथा अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनोज चौधरी द्वारा बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए शुभकमनाएं दी गई। यह बच्चे गुंटूर जिले में आंध्रप्रदेश में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिसमें श्रेया चौरासिया स्वर्ण पदक, यशमित सिन्हा स्वर्ण पदक, यादव रूद्र यादव स्वर्ण पदक, सृष्टि चौरसिया स्वर्ण पदक, रेशमी यादव स्वर्ण पदक, मोनिका ठाकुर रजत पदक, प्रणव पांडे कांस्य पदक ने अपना नाम किया। पुलिस विभाग तथा अभिषेक अग्रहारी वेलफेयर फाउंडेशन के तरफ से निःशुलक प्रशिक्षण बच्चों को दिया जाता है। जो लग्भाग 7 वर्ष से संचलित है। जिसमें हर वर्ष राष्ट्रीय और राज्य स्तर प्रतियोगिता में कई मेडल अपने नाम का चुके हैं।

पेंशनरों ने खोला मोर्चा : 3 प्रतिशत डीए और कैशलेस इलाज की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (दावा)। पेंशनर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ (पंजीयन क्रमांक 1844) के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के पेंशनरों की लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। डॉ. के.एल. टांडेकर के नेतृत्व में पहुंचे इस दल ने शासन से पेंशनरों की आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण की मांग की है। ज्ञापन में मुख्य रूप से पेंशनरों के लंबित 3 प्रतिशत महंगाई भत्ते की शीघ्र घोषणा करने और इसका भुगतान तत्काल प्रभाव से शुरू करने का आग्रह किया गया है। एसोसिएशन ने शासन का ध्यान इस ओर भी आकर्षित किया कि डीए की घोषणा न होने से पेंशनरों को बढ़ती महंगाई के दौर में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों में मध्य प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 को पूर्णतः समाप्त करने की बात दोहराई। साथ ही बजट में घोषित कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा को जमीनी स्तर पर जल्द लागू करने की मांग की, ताकि वरिष्ठ नागरिकों को उम्र के इस पड़ाव में बेहतर चिकित्सा लाभ मिल सके। पेंशनरों ने रुके हुए एरियर (बकाया राशि) के भुगतान हेतु भी शासन से आदेश जारी करने की अपील की है। इस अवसर पर डॉ. के.एल. टांडेकर के साथ के.पी. सिंह, श्रीमती हसीना खान, सुश्री सावरकर, किशोर वैद्य, डी.एस. साहू,डी.डी. पांडे, एस.आर. साहू, रथी, बीपी वासनिक, सिद्धार्थ चौरे एवं श्री गजभिए सहित बड़ी संख्या में पेंशनर उपस्थित रहे।

सीआरसी राजनांदगांव में अंतर्राष्ट्रीय व्हीलचेयर दिवस पर विविध आयोजन, सहायक उपकरणों का हुआ वितरण

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय कंपोजिट रीजनल सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय व्हीलचेयर दिवस के अवसर पर गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान न केवल दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण पर चर्चा हुई। बल्कि विभिन्न खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से उनकी प्रतिभा को भी सराहा गया। दिव्यांगजनों के उत्साहवर्धन के लिए संस्थान द्वारा व्हीलचेयर रेस और टार्गेट टॉस गेम जैसी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके साथ ही प्रतिभागियों ने भाषण और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया और समाज को समावेशिता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री डॉ. पुखराज बाफना उपस्थित थे। उन्होंने अपने संबोधन में व्हीलचेयर की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसे दिव्यांगजनों की गतिशीलता और स्वतंत्रता का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लाभार्थियों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया गया। जिससे उनके दैनिक जीवन में सुगमता आ सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभार्थी, विद्यार्थी, और संस्थान के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय जुजीत्सु रेफरी, जज एवं कोच प्रशिक्षण उत्साह, अनुशासन और गौरव के साथ सम्पन्न

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक राणा अजय सिंह ने तकनीकी दक्षता, नियमों की समझ एवं निर्णय क्षमता का मूल्यांकन किया गया

डोंगरगढ(दावा)। धर्मनगरी में एक बार फिर खेल ऊर्जा, अनुशासन और समर्पण की भावना से ओत-प्रोत नजर आई, जब राज्य स्तरीय जुजीत्सु रेफरी, जज एवं कोच प्रशिक्षण तथा परीक्षा का सफल आयोजन अत्यंत भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ। यह केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं था, बल्कि प्रदेश में जुजीत्सु खेल को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का एक सशक्त संकल्प था। प्रदेश के विभिन्न जिलों—राजनांदगांव, कबीरधाम, बेमेतरा, बालोद, दुर्ग, रायपुर, कांकेर, बस्तर, महेंद्रगढ़, चिरमिरी, बलरामपुर, बिलासपुर एवं रायगढ़ से आए 25 समर्पित रेफरियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लेकर अपनी प्रतिबद्धता और खेल भावना का परिचय दिया। सभी प्रतिभागी एक ही लक्ष्य के साथ उपस्थित हुए खेल के नियमों में पारंगत होकर निष्पक्ष, सशक्त और आदर्श निर्णायक बनना।

प्रशिक्षण प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होकर पूरे दिन गहन सत्रों में संचालित हुआ। प्रतिभागियों को जुजीत्सु के अद्यतन नियमों, अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मैच संचालन, स्कोरिंग प्रणाली की सूक्ष्म बारीकियों, फाउल एवं पेनल्टी के स्पष्ट प्रावधानों, खिलाड़ियों की सुरक्षा के मानकों, समय प्रबंधन की तकनीकों तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित एवं निष्पक्ष निर्णय लेने की कला का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहते हुए, वास्तविक मैच परिस्थितियों का निर्माण कर व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। इससे प्रतिभागियों में निर्णय क्षमता, आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल का उल्लेखनीय विकास हुआ। प्रश्नोत्तर सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षकों ने प्रत्येक शंका का समाधान किया और नियमों की सूक्ष्मताओं पर विशेष बल दिया, जिससे प्रशिक्षण अत्यंत प्रभावी और परिणामकारी सिद्ध हुआ।

0 रेफरी केवल निर्णायक नहीं, बल्कि खेल की गरिमा और निष्पक्षता के संरक्षक होते हैं - विवेक मोनू भंडारी

जिला जूजित्सू संघ के अध्यक्ष विवेक मोनू भंडारी ने अपनी गरिमामय उपस्थिति के दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रदेश संघ की आधिकारिक रेफरी किट एवं ड्रेस वितरित करते हुए कहा कि 'रेफरी केवल निर्णायक नहीं, बल्कि खेल की गरिमा और निष्पक्षता के संरक्षक होते हैं। उनका एक निर्णय खिलाड़ियों के भविष्य को दिशा देता है। इसलिए सजगता, निष्पक्षता और निरंतर अभ्यास ही उनकी वास्तविक पहचान है।' उनके प्रेरक शब्दों ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों में नई उमंग और आत्मविश्वास का संचार किया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक राणा अजय सिंह ने तकनीकी दक्षता, नियमों की समझ एवं निर्णय क्षमता का मूल्यांकन किया

द्वितीय दिवस अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक राणा अजय सिंह द्वारा प्रैक्टिकल एवं लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षता, नियमों की समझ एवं निर्णय क्षमता का गंभीरता से मूल्यांकन किया गया। 'नेवाजा इवेंट' के लिए सुरेश प्रसाद शांडिल्य एवं असजद रजा तथा 'फाइटिंग सिस्टम' के लिए तेजस राहुल, दुर्गेश मोठघरे एवं शिवदयाल पाटिल मुख्य प्रशिक्षक के रूप में मार्गदर्शन प्रदान कर रहे थे। सहयोगी के रूप में अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता सुश्री राणा वसुंधरा सिंह एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी अनुज दमानी की उपस्थिति ने प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावशाली बनाया। राजनांदगांव जिला जुजीत्सू संघ द्वारा सभी प्रतिभागियों के आवास, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जिससे प्रशिक्षण का वातावरण पूर्णतः अनुशासित, सकारात्मक और प्रेरणादायक बना रहा। समापन अवसर पर सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। यह आयोजन न केवल तकनीकी उन्नयन का मंच बना, बल्कि प्रदेश में जुजीत्सु खेल के विकास, संगठन की सक्रियता और खेल भावना के सशक्त प्रसार का प्रतीक भी बना। निस्संदेह, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश के रेफरियों को राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त प्रतिनिधित्व दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक कदम सिद्ध होगा। जहां अनुशासन, समर्पण और निष्पक्षता के साथ जुजीत्सू खेल नई ऊँचाइयों को स्पर्श करेगा।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की सर्जिकल स्ट्राइक : ग्वालिनडीह नाला के पास दबिश

20 लीटर महुआ शराब व भारी मात्रा में लाहन जप्त

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा ग्राम ग्वालिनडीह नाला के किनारे अज्ञात 20 लीटर हाथ भट्ठी कच्ची महुआ शराब एवं 120 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया गया। इस प्रकरण पर आबकारी अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई। कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक वृत्त राजनांदगांव ग्रामीण श्रीमती तुलेश्वरी देवांगन, मुख्य आरक्षक मिलाप मण्डावी, आबकारी आरक्षक प्रदीप यादव, किशोरी कोमरे, दीपक सिन्हा शामिल थे। जिले में अवैध मदिरा विक्रय की रोकथाम के लिए होटल, ढाबों एवं मदिरा दुकानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। सभी वृत्त प्रभारियों को होटल, ढाबों की नियमित जांच करने एवं अवैध मदिरा विक्रय के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है।

शुभांक

अनुमानित
बी. के.
289-9 680-4

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरुपयोग न करें। दुरुपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

ई- प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 186176/निविदा सूचना क्र. 16/व.ले.लि./2025-26 दि. 02.03.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक **23.03.2026 17.30** तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है -

कार्य का नाम कबीरधाम जिले के विकासखंड बोड़ला की रोचन जलाशय के अंतर्गत हेडवर्क में 02 नग स्लूस गेटों की मरम्मत एवं मिट्टी के कार्य का नवीनीकरण, आर.डी. 0 मी. से 3150 मी. तक बांयी ओर नहर एवं आर.डी. 0 मी. से 2760 मी. तक दांयी ओर नहर का पुर्ननिर्माण एवं सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग, 14 नग फाल, 05 नग फाल सह व्ही.आर.बी. एवं 01 नग व्ही.आर.बी. का निर्माण सहित निर्मित संरचनाओं का मरम्मत एवं कोलाबा पाईप कार्य।

अनुमानित लागत रू. 309.50 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर) (एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 08.08.2025)

अन्य साइट विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 09.03.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र जिसकी वैधता दिनांक 30.09.2026 तक है, वह लागू होगी।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

जी- 252607016/4

चंद्रग्रहण के साए में रहा राजनांदगांव, मंदिरों के पट रहे बंद

राजनांदगांव (दावा)। फाल्गुन मास में ठीक होली के समय चंद्रग्रहण होने से रंगों के पर्व के उल्लास में थोड़ी बांधा पहुंची। चंद्रग्रहण का असर जन मानस में देखने को मिला। चंद्रग्रहण को अशुभ मानते हुए जहां मंदिरों के पट बंद रहें वहीं सुबह से दोपहर के समय तक शहर में सन्नाटा पसरा देखा गया। हालांकि दुकानें खुली रही लेकिन ग्रहण काल में शुभ कार्य व शुभ खरीदी की मनाही होने के लिए लोग अपनी मनचाही चीजों की खरीदी के लिए नहीं निकल पाए। हालांकि शासकीय अवकाश नहीं होने के कारण सरकारी आफिस व नगर निगम कार्यालय खुले रहें लेकिन वहां आमद कम देखी गई। होलिका दहन के दूसरे दिन जबकि बाजार को रंग-गुलाल पिचकारी आदि की खरीदी के लिए गुलजार होना चाहिए था लेकिन बाजार में रौनक नहीं दिखी।

ध्यान -साधना, मंत्र-जाप आदि सर्वोत्तम प्रक्रिया

बता दें कि चंद्रग्रहण लगने के 9 घंटे पूर्व सूतक लग जाता है। इस अवधि में शुभ कार्यों की मनाही रहती है। चंद्रग्रहण में लगे सूतक में ध्यान साधना मंत्र जाप ईश भजन-कीर्तन, व्रत उपवास, विश्राम करना सर्वोत्तम प्रक्रिया है और इसे आवश्यक भी माना गया है। इसके लिए शांति का वातावरण बहुत जरूरी है। उक्तानुसार लोग ध्यान साधना, मंत्र जाप में रत रहे और ग्रहण के साए से बचने घरों में ही दुबके रहे। इससे बाजार में सन्नाटा पसरा रहा।

० पसरा रहा सन्नाटा, शाम को ग्रहण छूटते ही बढ़ी चहल-पहल
० आज रंगोत्सव, रंग- गुलाल से सराबोर रहेगी होली

शाम को ग्रहण छूटते ही बढ़ी चहल-पहल

मंगलवार को दिन भर चंद्रग्रहण का साया रहने से सुबह से ही मंदिरों के पट बंद रहें। गायत्री शक्तिपीठ, बागेश्वर धाम मंदिर मिथिला धाम मंदिर, श्री सत्यनारायण मंदिर, बालाजी धाम मंदिर, सहित अन्यान्य मंदिरों के सुबह से दरवाजे ही नहीं खुले। शाम को साढ़े 6 बजने के बाद ग्रहण छूटने पर शहर में लोगों की चहल-पहल बढ़ी। मंदिरों की शुद्धिकरण व देव प्रतिमाएं को गंगाजल से स्नान कराने के बाद पूजा-आरती के स्वर सुनाई दिए। शंख, घंटे बजते ही माहौल धर्ममय बनना शुरु हुआ। वहीं लोगों ने अपने घरों में गंगाजल तुलसी दल जल छिड़क कर शुद्धीकरण किए।

आज रंगोत्सव पर्व की रहेगी धूम

चंद्रग्रहण का साया पूरी तरह समाप्त हो जाने के बाद आज बुधवार 4 मार्च को रंगोत्सव का पर्व होली धूमधाम से मनाई जाएगी। आज सुबह से लेकर शाम रात तक रंग-गुलाल की बौछार रहेगी। लोग होली पर्व के आनंद में झूमे नाचे गाएंगे। ढोल नगाड़े के थाप के बीच फाग गीतों का जोर रहेगा। लोग डीजे की धुन में नाचते गाते हुए खूब रंग-गुलाल उड़ाएंगे और पर्व के उपलक्ष्य में घरों में बने मीठे एवं स्वादिष्ट पकवान का लुत्फ उठाएंगे। पर ध्यान रहे होली पर्व का नाजायज़ फ़ायदा उठाने वाले असामाजिक तत्वों व हुड़दंगियों पर पुलिस की पैनी नजर बनी रहेगी। चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रहेंगे। लोगों की एक-एक हरकत पर ड्रोन कैमरे की नजर रहेगी।

5000 शिक्षकों की भर्ती में देरी पर कांग्रेस का प्रहार : विपिन यादव बोले- अक्टूबर नहीं, मई-जून में हो परीक्षा

राजनांदगांव (दावा)। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विपिन यादव ने प्रदेश में प्रस्तावित 5000 शिक्षकों की भर्ती परीक्षा को अक्टूबर-नवंबर में आयोजित किए जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि जब स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। तब परीक्षा को इतने लंबे समय तक टालना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जब भर्ती करनी ही है तो विलंब करने का कोई अर्थ नहीं है। यह निर्णय छात्रों के हित में नहीं है।

सरकार को शिक्षा सत्र को ध्यान में रखते हुए समयबद्ध निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा घोषित संभावित तिथियां शिक्षा व्यवस्था की तात्कालिक आवश्यकता के अनुरूप नहीं हैं। यदि परीक्षा अक्टूबर और नवंबर में आयोजित की जाएगी तो नियुक्ति प्रक्रिया और आगे खिसक जाएगी। जिससे नए शिक्षा सत्र में भी स्कूलों को शिक्षकों का इंतजार करना पड़ेगा। यह स्थिति विद्यार्थियों के भविष्य के साथ अन्याय के समान है।

जिलाध्यक्ष ने बताया कि पूरे छत्तीसगढ़ में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में हजारों पद रिक्त हैं। कई ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूल एक-दो शिक्षकों के भरोसे संचालित हो रहे हैं। ऐसे हालात में सरकार को प्राथमिकता के आधार पर भर्ती परीक्षा मई-जून तक सम्पन्न करानी चाहिए और परिणाम शीघ्र जारी कर नियुक्ति आदेश देना चाहिए। विपिन यादव ने मांग की कि प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन जुलाई से पूर्व पूर्ण किया जाए, ताकि नए शिक्षा सत्र 2026-27 में शिक्षक समय पर पदस्थ हो सकें। उन्होंने कहा कि घोषणा नहीं, बल्कि समय पर नियुक्ति ही शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी और तभी स्कूलों और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वास्तविक लाभ मिल पाएगा।

जल जीवन मिशन कार्यशाला में ईरा के सरपंच किशोर साहू सम्मानित

राजनांदगांव (दावा)। जल जीवन मिशन के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला में जिला राजनांदगांव का प्रतिनिधित्व करने का अवसर ग्राम पंचायत ईरा के सरपंच किशोर साहू को प्राप्त हुआ। जल जीवन मिशन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर उन्हें कार्यशाला में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से आए जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति रही। जहां विभिन्न पंचायतों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा और अनुभव साझा किए गए। ग्राम पंचायत ईरा द्वारा हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने, पाइप लाइन विस्तार एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए सरपंच किशोर साहू को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर सरपंच किशोर साहू ने कहा कि यह सम्मान पूरे ग्राम पंचायत, ग्रामीणों तथा संबंधित विभागों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने जिला प्रशासन, जनपद पंचायत तथा जल जीवन मिशन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में ग्राम पंचायत ईरा में पेयजल व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा तथा जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। ग्रामवासियों ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया है।

होली पर दोपहर में 30 मिनट अतिरिक्त पेयजल आपूर्ति

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम द्वारा होली पर्व के उपलक्ष्य पर नगर के आंतरिक क्षेत्र में लगभग 30 मिनट की अतिरिक्त पेयजल आपूर्ति की जायेगी। इसके आपूर्ति क्षेत्र भी निर्धारित किया गया है। पेयजल आपूर्ति के संबंध में निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने बताया कि 4 मार्च को शहर के रायपुर नाका, रामाधीन मार्ग, कामठी लाईन, गुड़ाखू लाईन, जूनी हटरी, जय स्तंभ रोड, कलारपारा, सिनेमा लाईन, गोलबाजार, पुराना अस्पताल रोड, सदर लाईन आधा क्षेत्र, गंज लाईन, आरामशीन रोड, स्टेट बैक कालोनी, पीएचई कार्यालय, टांकाघर, नेहरू नगर, जमातपारा, आजाद चौक, पुराना बस स्टैण्ड, कैलाश नगर, मठपारा क्षेत्र में दोपहर 2 बजे से 2:30 बजे तक आधी घण्टा अतिरिक्त पेयजल आपूर्ति की जाएगी।

नाटक - 'वो एक रात' के लेखक रितेष सिंगाडे को इंदौर में प्रथम पुरस्कार

राजनांदगांव (दावा)। दिनांक 27 फरवरी से 1 मार्च 2026, तक इंदौर के रविंद्र नाथ टेगौर नाटय गृह में सुत्रधार संस्था द्वारा राष्ट्रीय स्तर के नाटय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 22 नाटकों ने भाग लिया जिसमें राजनांदगांव थियेटर ग्रुप के नाटक -'वो एक रात' जिसके लेखक व निर्देशक शहर के रंगकर्मी रितेश सिंगाडे को नाटय लेखन में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ वही इस नाटक के मुख्य किरदार में देवेश वर्मा को बेस्ट एक्टिंग अवार्ड के लिये प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

षहर के रंगकर्मी रितेष सिंगाडे के द्वारा इसके पूर्व नाटक - किन्नर, रौद्रा, द लास्ट लेटर, जब मै सिर्फ औरत होती हूँ को राष्ट्रीय स्तर के मंच पर प्रस्तुति देकर अपनी अमीट छाप छोडी है। किन्नर, रौद्रा, द लास्ट लेटर जैसे प्रसिद्ध नाटकों का लेखन व निर्देशन का कार्य भी किया है।

नाटक 'वो एक रात' हाल ही में राजस्थान व छिंदवाडा (मध्यप्रदेश) में नकली कप सिरप से मरे उन बच्चों के घटना से प्रेरित होकर लिखा गया है, नाटक वो एक रात एक गरीब मध्यम वर्गीय परिवार की कहानी है। जो दो वक्त की रोटी के साथ अपने परिवार में खुश है किंतु देश में बिक रहे नकली कप सिरप से उसके बच्चे की मौत हो जाती है और वहा से शुरू होता आम आदमी न्याय के प्रति गुस्सा जिसके चलते वह परिवार एक हाईकोर्ट के जज को अगवा कर, अपने घर में बंधक बनाकर रखता है और वर्तमान न्याय व्यवस्था का आईना दिखाता है। कानुन व्यवस्था पर कटाक्ष करता है। कानुन की कमियों को उजाकर करने का कार्य करता है। नाटक 'वो एक रात' न्याय व्यवस्था की दुहाई देते हुये अपराधों की बढती संख्या को देखते हुये अमुल चुल परिवर्तन की मांग करता है और सशक्त कानुन बनाने का समर्थन करता है ताकि लोगों का भरोसा कानून व्यवस्था पर बना रहे।

नाटक में मुख्य पात्र में रूप में ज्योति वांडे, आनंद तिवारी, और नवीन निर्मलकर ने अपने अभिनय से सभी दर्शकों का मन मोह लिया तथा नाटक का संगीत व प्रकाश व्यवस्था रीना सिंगाडे व संकल्प तिवारी ने दिया है व मंच सज्जा दिपक सोनी ने किया। तथा ध्वनि व्यवस्था रितेश सिंगाडे ने संभाला।

नाटक 'वो एक रात' 1 मार्च को इंदौर में सुत्रधार राष्ट्रीय स्तर के नाटय प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुति दिया जिसे इंदौर की जनता ने खुब सराहा। राजनांदगांव के समस्त कला प्रमियों ने राजनांदगांव थियेटर के नाटक वो एक रात के समस्त कलाकारों को बधाई दी है।

बाल विवाह मुक्त पंचायत घोषित करने के पूर्व दावा-आपत्ति आमंत्रण

राजनांदगांव (दावा)। संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार ऐसे ग्राम पंचायत जहां विगत दो वर्षों में बाल विवाह नहीं हुआ है। उन ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाना है। विकासखण्ड राजनांदगांव डोंगरगढ़, छुरिया, डोंगरगांव के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार राजनांदगांव जिले के सभी विकासखण्ड राजनांदगांव, डोंगरगढ़, छुरिया, डोंगरगांव के समस्त 408 पंचायतों में वर्ष 2023-24 से 2024-25 में बाल विवाह का प्रकरण प्राप्त नहीं हुआ है। जिसका प्रस्ताव समस्त ग्राम पंचायतों के ग्राम सभाओं में प्रस्ताव पारित किया गया है।

राजनांदगांव जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में विगत दो वर्षों में बाल विवाह नहीं होने के संबंध में ग्राम पंचायतों से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जिनका सत्यापन संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं उनके अमले द्वारा सत्यापन कराते हुए बाल विवाह नहीं होने पर बाल विवाह मुक्त पंचायत घोषित करने की अनुशंसा प्राप्त हुई है। जिन्हें बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत घोषित कर प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इस संबंध में किसी व्यक्ति या संस्थान को किसी भी प्रकार की आपत्ति होने तथा ग्राम पंचायतों में बाल विवाह का प्रकरण संज्ञान में होने पर 7 दिवस के भीतर कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यालयीन में लिखित में सुसंगत दस्तावेजों के साथ दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किए जाएगा।

पेंशन भुगतान की नई व्यवस्था : अब सीधे आरबीआई के पोर्टल से हितग्राहियों के खाते में पहुचेगी राशि, तकनीकी बाधा हुई दूर

राजनांदगांव (दावा)। समाज कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं के पेंशन राशि का भुगतान राज्य स्तरीय नोडल खाते के माध्यम से किया जाता रहा है। वर्तमान में राज्य योजनाओं में माह जनवरी तक की पेंशन राशि का भुगतान किया जा चुका है। माह फरवरी की पेंशन राशि जारी किया जाना प्रक्रियाधीन है। केंद्रीय पेंशन योजनाओं में भारत सरकार द्वारा पेंशन राशि के भुगतान को अधिक पारदर्शी, सरल एवं त्वरित भुगतान सुनिश्चित करने हेतु सीधे आरबीआई से हितग्राहियों के खाते में भुगतान करने की नवीन प्रक्रिया एसएनए स्पर्श प्रारंभ किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा आरबीआई के केंद्रीय पेमेंट पोर्टल पर भुगतान प्रणाली स्थानांतरित किए जाने के दौरान तकनीकी प्रक्रिया की वजह से कुछ समय के लिए केन्द्रीय पेंशन योजनाओं में भुगतान प्रक्रिया प्रभावित हुई थी।

समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार नई प्रणाली में डेटा माइग्रेशन की प्रक्रिया के दौरान अस्थायी तकनीकी बाधा उत्पन्न हुई थी। जिसे अब पूरी तरह दूर कर लिया गया है।

वर्तमान में भुगतान प्रक्रिया पुनः सुचारू रूप से प्रारंभ हो चुकी है। केन्द्रीय पेंशन योजनाओं में माह जनवरी तक की केन्द्रांश की राशि का भुगतान किया जा चुका है। राज्यांश की राशि के लिए पोर्टल में व्यवस्था की जा रही है। शीघ्र भुगतान कर दिया जाएगा। सभी योजनाओं की पेंशन राशि का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। वर्तमान में सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं में राज्य की योजना से 13 लाख 79 हजार 098 तथा केन्द्रीय पेंशन योजनाओं से 7 लाख 96 हजार 463 कुल 21 लाख 75 हजार 561 हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं।

इसी प्रकार जिला राजनांदगांव में राज्य योजना से 35 हजार 013 तथा केंद्रीय योजना से 22 हजार 699 कुल 57 हजार 712 हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं। आरबीआई के केंद्रीय पोर्टल से जुड़ने के बाद भुगतान प्रणाली अधिक पारदर्शी, सुरक्षित एवं समयबद्ध होगी। इससे भविष्य में पेंशन सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में निर्बाध रूप से पहुंच सकेगी। नई व्यवस्था से पेंशन वितरण प्रणाली अधिक सुदृढ़ एवं तकनीकी रूप से सक्षम है। जिससे राज्य के वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं और दिव्यांगजनों को समय पर सहायता मिलती रहेगी।

राजनांदगांव जिला बाल विवाह मुक्ति की ओरः छह नगरीय निकायों को घोषित करने की तैयारी, 7 दिनों में मांगी गई दावा-आपत्ति

राजनांदगांव (दावा)। संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार ऐसे नगरीय निकाय जहां विगत दो वर्षों में बाल विवाह नहीं हुआ है। ऐसे नगरीय निकाय को बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाना है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती गुरूप्रीत कौर ने बताया कि राजनांदगांव जिले के नगर पालिक निगम राजनांदगांव, नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़, नगर पंचायत छुरिया, नगर पंचायत डोंगरगांव, नगर पंचायत घुमका, नगर पंचायत लालबहादुर, नगर नगरीय निकाय के निगम आयुक्त व नगर पालिका अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार वर्ष 2023-24 से 2024-25 में बाल विवाह का प्रकरण प्राप्त नहीं हुआ है। इस संबंध में नगरीय निकाय के सभाओं में प्रस्ताव पारित किया गया है। जिले के नगर पालिक निगम राजनादगांव, नगर पलिका परिषद् डोंगरगढ़, नगर पंचायत छुरिया, नगर पंचायत डोंगरगांव, नगर पंचायत घुमका, नगर पंचायत लालबहादुर में विगत दो वर्षों में बाल विवाह नहीं होने के संबंध में नगरीय निकायों से प्रस्ताव प्राप्त हुए है। जिनका सत्यापन संबंधित नगरीय निकाय के अमले द्वारा सत्यापन कराते हुए बाल विवाह नहीं होने पर बाल विवाह मुक्त नगरीय निकाय घोषित करने की अनुशंसा प्राप्त हुई है। जिन्हें बाल विवाह मुक्त नगरीय निकाय घोषित कर प्रमाण पत्र जारी किया किया जाएगा।

इस संबंध में किसी व्यक्ति एवं संस्थान को किसी भी प्रकार की आपत्ति होने पर इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या सस्थान को किसी भी प्रकार की आपत्ति होने तथा नगरीय निकायों में बाल विवाह का प्रकरण संज्ञान में होने पर 7 दिवस के भीतर कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यालयीन में लिखित में सुसंगत दस्तावेजों के साथ दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किए जाएगा।

छुरिया में आत्मा योजना के तहत कृषि प्रशिक्षणः दलहन-तिलहन पंजीयन और खाद उठाव पर मिली जानकारी, प्रगतिशील किसान सम्मानित

राजनांदगांव (दावा)। कृषि विभाग द्वारा आत्मा योजना के अंतर्गत विकासखंड मुख्यालय छुरिया में कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीदी हेतु किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया, आगामी खरीफ फसल की अग्रिम प्लानिंग, तिलहन फसलों की कार्ययोजना, खाद संकट के विकल्प तथा अग्रिम खाद उठाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लगभग 90 किसान संगवारी एवं अन्य किसानों ने भाग लेकर प्रशिक्षण का लाभ उठाया। विशेषज्ञों द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, संतुलित उर्वरक उपयोग, फसल विविधीकरण तथा बाजार व्यवस्था से जुड़ी आवश्यक जानकारियां प्रदान की गई। किसानों को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने तथा समय पर पंजीयन एवं उर्वरक उठाव सुनिश्चित करने की सलाह दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान संगवारी ग्राम गहिराभेड़ी के किसान श्रीमती अंजू साहू, ग्राम गर्रापार के किसान रामसजीवन, हुमन लाल साहू, ग्राम ललमेटा के किसान सुनील साहू, ग्राम पैरीटोला के किसान भारत लाल, चिंता राम यादव सहित अन्य किसानों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कृषि स्थायी समिति सभापति छुरिया श्रीमती उतरा निषाद, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जीपी सहाड़े, डॉ. विकास सिंह, सहायक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुदेश पटेल, पैथोलॉजी एक्सपर्ट संतोष साहू, आरएईओ, रामेश्वर सिंहा एवं हितेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता लीलाधर साहू ने जिले के किसानों को सौगात देने के लिए सीएम साय व डॉ. रमन सिंह का जताया आभार

राजनांदगांव(दावा)। जिला भाजपा ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष रहे भाजपा नेता लीलाधर साहू ने जिले के किसानों को उनकी अंतर राशि का दिये गए सौगात के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व क्षेत्रीय विधायक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का आभार जताया है और कहा है कि, होली के पूर्व किसानों के खाते में डाली गई करोड़ों रुपए की अंतर राशि से उनके चेहरे खिल गए और रंगों का पर्व होली खुशी-खुशी मनाने का मार्ग प्रशस्त हो गया। यही नहीं उन्होंने बताया कि, उक्त राशि मिलने से उनके घर- परिवार वालों में भी खुशी का वातावरण रहा। भाजपा नेता ने कहा कि सीएम श्री साय कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आदान सहायता राशि वितरण एवं वृहद किसान सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल हुए और कृषक उन्नति योजना अंतर्गत प्रदेश के 25 लाख 28 हजार से अधिक पंजीकृत धान एवं धान बीज उत्पादक किसानों को 10.324 करोड़ रूपए की राशि उनके खाते में अंतरित की।

गांधी सभागार में किसानों को अंतरित की गई करोड़ों की राशि

उन्होंने कहा कि, राजनांदगांव के गांधी सभागार में भी दौरान मुख्य अतिथि के रूप में जिले के प्रभारी मंत्री एवं स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य विभाग मंत्री गजेन्द्र यादव ने जिले के 124101 किसानों को 454 करोड़ 12 लाख रूपए से अधिक की राशि का भुगतान किया गया। जिससे बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं किसान जुड़े रहे। उन्होंने बताया कि, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार बनते ही पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया और कृषकों के हित में निर्णय लेते हुए किसानों को दो साल के बकाया बोनस लगभग 14 हजार करोड़ रूपए का भुगतान किया गया। शासन द्वारा समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना अंतर्गत प्रति क्विंटल 3100 रूपए की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की गई। इस तरह चार माह के भीतर 20 हजार करोड़ रूपए की राशि से किसानों को लाभान्वित किया गया। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की धान खरीदी समाप्त होने के एक माह के भीतर कृषक उन्नति योजना के तहत प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों को धान विक्रय की राशि का भुगतान कर दिया गया है, जो इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री की सरकार सुशासन की सरकार है।

महिलाओं के खाते में महतारी वंदन की राशि

भाजपा नेता साहू ने बताया के मुख्यमंत्री श्री साय की सरकार केवल किसानों की ही नहीं आनी आबादी महिलाओं की भी चिंता करती है। किसानों की अंतर राशि की तरह जिले कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए की राशि का भुगतान समय पर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि धान के बदले कोदो, कुटकी, रागी, सोयाबीन, गन्ना सहित अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रूपए अंतरण की राशि प्रदान की जा रही है। छत्तीसगढ़ में सोयाबीन खेती की शुरूआत राजनांदगांव जिले से हुई थी। जिसका लाभ आज किसानों को मिल रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खेती से किसानों की आय बढ़ाने के लिए न केवल निरंतर कार्य कर रहे है नए-नए तरीकों व मोटा अनाज उपजाने के लिए उनका हौसला भी बढ़ा रहे हैं।

विधायक डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से ग्रामीण अंचल के 147 विकास कार्यों हेतु 10.38 करोड़ की स्वीकृति पर लीलाधर साहू ने जताया आभार

राजनांदगांव(दावा)। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह के सतत प्रयासों से राजनांदगांव में अधोसंरचना विकास को एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा अधोसंरचना विकास एवं पर्यावरण उपकार निधि अंतर्गत वर्ष 2025-26 में कुल 147 कार्यों के लिए 10 करोड़ 38 लाख 14 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता लीलाधर साहू ने

श्री साहू ने बताया कि 28 फरवरी 2026 को जारी आदेश के अनुसार यह राशि विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण हेतु स्वीकृत की गई है। स्वीकृत कार्यों में मुख्यतः सी.सी. रोड निर्माण, पुलिया निर्माण, नाली निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण, मंगल भवन, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी भवन, शेड निर्माण, बोर खनन, हाई मास्ट लाइट, एसी/डीसी स्ट्रीट लाइट स्थापना सहित विभिन्न अधोसंरचनात्मक कार्य शामिल हैं।

प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त होने पर लीलाधर साहू ने छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, राज्य सरकार के सहयोग और सकारात्मक दृष्टिकोण के कारण ही राजनांदगांव क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है।

अंततः वैष्णव समाज से राजगामी सपंदा के रविंद्र वैष्णव बने अध्यक्ष

वैष्णव समाज में खुशी की लहर, समर्थकों में हर्ष

राजनांदगांव (दावा)। शहर के दानवीर राजाओं की पूरे जिले भर में फैली राजगामी संपदा का आखिरकार उसका अध्यक्ष मिल गया है। भाजपा ने वैष्णव समाज की मांग को देखते हुए भाजपा के दो बार के जनपद पंचायत अध्यक्ष व जिला भाजपा महामंत्री रहे रविंद्र वैष्णव को आखिरकार राजगामी का अध्यक्ष पद सौंप दिया है।

बता दें कि, रविंद्र वैष्णव की धर्मपत्नी श्रीमती किरण वैष्णव जिला पंचायत की अध्यक्ष पद को सुशोभित कर रही है। वहीं रविंद्र वैष्णव की अपनी पार्टी के प्रति निष्ठा व कर्मठता के साथ - साथ सांगठनिक सक्रियता के चलते उसे इस पद का योग्य समझा गया, जबकि भाजपा नेत्री पूर्णिमा साहू व वैष्णव समाज के कई लोगों ने राजगामी सपंदा अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी की थी। यहां तक कि, लंदन में बैठे राजपरिवार के सदस्य ने भी इस पद पर वैष्णव समाज के लोगों को बिठाए जाने की वकालत की थी। अंततः पार्टी को वैष्णव समाज के सामने झुकना पड़ा और समाज के ही रविंद्र वैष्णव को राजगामी संपदा के अध्यक्ष पद की गद्दी सौंप देनी पड़ी। श्री वैष्णव के राजगामी सपंदा के अध्यक्ष बनने पर वैष्णव समाज द्वारा भाजपा का आभार जताया गया है, वहीं रविंद्र समर्थकों के बीच हर्ष का माहौल देखा जा रहा है। (एच.एन.)

अनमोल दावा

"जो अपने लक्ष्य पर अडिग रहता है, वही इतिहास रचता है।

भीतर की चेतना रंगते हैं बाहरी रंग

भारत उत्सवों की भूमि है, तीज-त्योहारों की पावन धरा है। किसी समाज में पर्वों की निरंतरता उसकी सांस्कृतिक समृद्धि और सामूहिक उल्लास का संकेत मानी जाती है। होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारत की धड़कनों में गूंजता समरसता का संगीत है। फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन और फिर धुलेंडी पर रंगोत्सव रंगों का एक ऐसा संवाद है, जिसमें अतीत की राख से भविष्य के रंग जन्म लेते हैं। होली का दार्शनिक आधार भारतीय चेतना की गहराइयों में निहित है। प्रह्लाद की अटूट श्रद्धा और होलिका के दहन की कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले सत्य और असत्य के संघर्ष का रूपक है।

जब हिरण्यकशिपु का अहंकार अग्नि में भस्म होता है, तब यह केवल एक पात्र का अंत नहीं, बल्कि अन्याय, दंभ और विभाजनकारी मानसिकता का अंत है। जब तक हमारे भीतर की असमानता नहीं जलेगी, तब तक बाहर की समरसता अधूरी रहेगी और फिर रंगोत्सव के दिन जब रंग चेहरे पर लगते हैं, तब असर मन पर होता है। उस क्षण न कोई ऊंच-नीच का प्रश्न रह जाता है, न अमीर-गरीब का अंतर। रंग सबको एक-सा बना देते हैं-एक ही हंसी, एक ही उमंग, एक ही स्पर्श। यह बताता है कि विविधता विरोध नहीं, सौंदर्य है। जैसे अनेक रंग मिलकर इंद्रधनुष रचते हैं, वैसे ही विभिन्न समुदाय मिलकर राष्ट्र के आत्मा को पूर्ण बनाते हैं।

भारत के कोने-कोने में होली के रूप भिन्न हैं, पर भाव एक है। ब्रज मंडल में होली वसंत पंचमी से शुरू होकर रंगभरनी एकादशी के बाद चरम पर पहुंचती है। लड्डूमार से लट्ठमार तक अनोखे उत्सव मनते हैं और देश-विदेश से लोग ब्रज पहुंचते हैं। बरसाने की लट्ठमार होली में हंसी सचमुच हवा में घुली रहती है। गलियों में उड़ता गुलाल, छतों पर खिलखिलाहट और चौक की ठिठोली से पूरा ब्रज मुस्कुराता दिखता है। सजी महिलाएं लाठियां थामे बढ़ती हैं, पुरुष ढाल संभाले शरारती अंदाज में बचते हैं। यह सब प्रेम की मीठी नोक-झोंक का उत्सव है।

इस हंसी-ठिठोली के बीच परंपरा केवल निभाई नहीं जाती, बल्कि उल्लास के साथ जी जाती है। ऊपर से दृश्य चंचल दिखता है, पर भीतर गहरी सांस्कृतिक स्मृति धड़कती है। यह राधा-कृष्ण की आनंदमयी लीलाओं का स्मरण कराती है, जहां रूठना-मनाना भी प्रेम का ही एक रंग है। यहां स्त्री उत्सव की केंद्र-बिंदु बनकर उभरती है, उसकी सक्रियता शक्ति और स्नेह के सुंदर संतुलन का प्रतीक बनती है। एक ऐसा संतुलन, जिसमें हास्य भी है, सम्मान भी और अपनापन भी। वहीं वृंदावन की फूलों की होली में जब रंगों के स्थान पर पुष्प बरसते हैं तो वातावरण मानो सुगंधित भक्ति से भर उठता है। ब्रज की होली वस्तुतः अद्वैत का उत्सव है, जहां बाहरी रंग भीतर की चेतना को रंग देते हैं।

होली के पकवान भी जैसे समरसता का स्वाद हैं। गुजिया की मिठास, दही-बड़े की कोमलता, मालपुए की सुगंध और ठंडाई की शीतलता केवल व्यंजन नहीं, बल्कि साझा संस्कृति की थाली हैं। इस पर्व की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि यह सामाजिक दीवारों को नरम कर देता है और हमें याद दिलाता है कि यदि एक दिन के लिए हम भेद भूल सकते हैं तो सदा के लिए क्यों नहीं? रंग केवल बाहरी पदार्थ नहीं, बल्कि भावनाओं के प्रतीक हैं। लाल प्रेम का, पीला आशा का, हरा नवजीवन का, नीला विश्वास का। वे हमें सिखाते हैं कि जीवन श्वेत-श्याम नहीं, उसमें अनेक स्वर और छायाएं हैं। यदि हम केवल अपने ही रंग को सर्वोच्च मानेंगे तो संघर्ष जन्म लेगा, पर यदि हम सब रंगों को स्वीकार करेंगे तो एक अद्भुत चित्र बनेगा-समरसता का चित्र। आज जब समाज भिन्न विचारों और पहचानों से बंटता जा रहा है, तब होली का उत्सव हमें संदेश देता है-मतभेद छोड़ो, मनभेद छोड़ो, क्षमा करो, गले मिलो। यह पुनर्मिलन का संस्कार है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से होली आज की भागदौड़ और दबाव भरी जीवनशैली में एक सशक्त तनाव-नाशक उत्सव है। रंगों के साथ खुलकर हंसने, नाचने और गले मिलने से तनाव और अकेलेपन की भावना कम होती है। यह पर्व दबे हुए भावों को सहज वातावरण में व्यक्त करने का अवसर देता है। गिले-शिकवे भूलकर मेल-मिलाप करना मानसिक बोझ हल्का करता है और संबंधों में नई ऊष्मा भरता है। सामूहिक उल्लास व्यक्ति को चैंज् से च्हमज् की ओर ले जाता है। डिजिटल युग में, जहां संबंध स्क्रीन की रोशनी में सिमटते जा रहे हैं, होली वास्तविक स्पर्श का महत्व पुनः स्थापित करती है। जेन-जी के लिए यह केवल इंस्टाग्राम की रील या रंगीन सेल्फी का अवसर नहीं, बल्कि वास्तविक संवाद का उत्सव है।

होरी, होरा, होली, रंग पर्व ऋतु उत्सव

मदन मंडावी

भारत के जन सांस्कृतिक विरासत में विभिन्न तीज त्योहारों का अभ्युद्यात्मक दर्शन होता है। होली फागुन माह के पूर्णिमा तिथि को मनाए जाने वाला राष्ट्र का सबसे बड़ा त्यौहार है। हमारा सारा त्यौहार मौसम के अनुसार चलता है। हिंदी कैलेंडर के अनुसार वर्ष के बारहों माह में कोई ना कोई तीज-त्योहार मानों मोतियों के माला में पिरोया हुआ समाहित है। जो प्रायः वैज्ञानिक, भौगोलिक स्थितिनुसार अमावस्या व पूर्णिमा में विशेष महत्व के है। चैत्र माह से लेकर वर्ष के अंतिम माह फाल्गुन पूर्णिमा को हमारा त्यौहार की समाप्ति हो जाती है। भारत के अलग-अलग हिस्सों में इस त्यौहार को अलग-अलग नाम और रूपों में मनाते हैं। इस त्यौहार में कृषिगत मानवीय धारणाएं ज्यादा सर्वोचित लगता है।

देश की अधिकाँश आबादी कृषि कार्यों से जुड़ा हुआ है। जो गांवों में बसते हैं। (''भारत की आत्मा गांवों में बसती है और किसान उसकी रीढ़ है''- चौधरी चरण सिंह)/ गाँव की संस्कृति व्यापारिक नहीं है। ग्रामीणों के त्यौहार में कृषि संस्कृति स्पष्ट रूप से झलकती है, जहाँ किसी कथा, कहानी का नहीं ग्रामीण लोक परंपरा, संस्कृति की छाप दिखलाई पड़ता है । ग्राम्य जनजीवन में लोग फसल उगाने से लेकर फसल के पक जाने तक की त्यौहार मनाते हैं। यहाँ सारे त्यौहार किसी व्यक्ति का नहीं पुरे गाँव का होता है। यह ऋतुओं के राजा बसंत का उत्सव भी है। इस मानवतावादी सृष्टि पर इंसान का जन्म पहले हुआ, फिर बाद में कथा, कहानी, किवंदतियाँ का प्रादुर्भाव हुआ, जहाँ बुनियादी लक्षणों को मिटाकर धरती के भगवानों के उत्सवों को अंधविश्वास, पाखण्ड का भेंट चढ़ा दिया गया। हमारा भारतीय संस्कृति नारी शक्ति का सदैव सम्मान करता रहा है। यह देश नारियों की परीक्षा नहीं, नारियों से शिक्षा ग्रहण करने की सीख देती है। नारी शक्ति स्वरूप माँ, बहन, पत्नी, बहू, बेटियों का लाज, मान मर्यादा रखने वाला देश, नारी दहन, हरण, मरण के नाम पर त्यौहार नहीं मना सकता किंतु, नारियों का अपमान करने वालों को सजा निश्चित रूप से दिलाने का संवैधानिक अधिकार रखता है।

भारतीय सभ्यता और संस्कृति में नारियों और पुरुषों को समान दर्जा दिया गया है । फिर किसी के मौत पर जलसा क्यों...? इस देश में सदियों से ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, धार्मिक तौर से बाहरी शरणार्थी आक्रांताओं ने हमला किया और अपने विचारों से मूल भावनाओं पर कुठराघात करते रहे और जन भावनाओं पर प्रहार कर अपनी आगोश में लेते रहे हैं। इंसानी परिंदों ने देश को आजादी और गुलामी के पँजों से जकड़ लिया। आपसी सौहार्द के लोकपर्व को जीत-हार का नाम दे दिया गया।

फसल उत्सव में तरह-तरह के धार्मिक विचारों को लादकर कुप्रथाओं को जन्म दे दिया गया और एक ही परिवेश में रहने वाले लोगों को आपस में बाँट दिया गया । होली, होरी, होला, रंगपंचमी, रंगोत्सव प्रकृति के साथ घुल-मिलकर सप्तरंगी छटा बिखेरने का महान पर्व है। जो आपसी प्रेम भाईचारे के साथ सृष्टि के अनेक रंगों में घुल मिल जाने का संदेश देता है। इस मौसम में आम के बौर फलने को तैयार हो रहा होता है तो वहीं पलास, सेमहर, गुलमोहर, नीम, कुसुम, महुआ के फूल खिलकर वातावार को गुलजार कर रहे होते हैं। जब हमारा मानव समाज के पास कोई मशीनों से निर्मित रंग - गुलाल नहीं था, तब लोग अलग-अलग रंगों के फूलों से होली खेलते थे। अब लोगों को यह बताया जाए कि पहले मशीन आया फिर पाषाण युग आरंभ हुआ तिलमिलाहट उत्पन्न करने वाली बातें होंगी। या पहले बिजली था, फिर बाद में कंडिल, चिमनी (ढिबरी), दीपक, मसाला हो गया, या पहले लोग हवाई जहाज से आते - जाते थे फिर बाद में लोग पैदल चलने में अपने आप को मुनासिब समझा। फिर तो पूरा बवाल खड़ा हो जाएगा।

होली के दिन जिस प्रकार से ग्रामीण युवा, पुरुष अनेकों प्रकार की लकड़ी को इकट्ठा करके जलाते हैं, इसके पीछे यह संदेश है कि आने वाले दिनों में भीषण गर्मी पड़ने वाली है जिसे हमें सहना होगा। दूसरा संदेश यह है कि बैगाओं के द्वारा विधि- विधान पूर्वक जलाए हुए लकड़ी का राख एक औषधि के समान रोग नाशक है ,जो चर्म रोग फोड़े फुँसी को नष्ट कर सकता है। वही लोक पारंपरिक ढोल - नगाड़े के थाप के साथ मग्न होकर मंगल गायन कर, झूम-झूम कर नृत्य करना शारीरिक, स्फूर्ति दोष मुक्त, भावनाओं का संचार कर प्रचार - प्रसार करना है, तो वहीं निर्भय, निश्चल, निष्कपटता का भाव है।

एक अटूट वास्तविकता का दिग्दर्शन इस मिट्टी की सौंधी खुशबू से झलकता है, जहाँ देश में दो तरह की फैसले खरीफ और रबी लहलाती है। अनाज पेट भरने के लिए तो वही दलहन तिलहन व्यंजन के रूप में उपयोगी है। होरी दलहन तिलहन की फसल के अंतिम पड़ाव पर मनाया जाता है। ग्रामीण गेहूँ ,चना जैसे बालियों को अपने इष्ट देवी - देवताओं में चढ़ाते हैं, तो कुछ आग में खुशी से भूनकर खाते हैं, जिसे होरा कहते हैं। इस प्रकार से विभिन्न अँचलों में खेतिहर, मजदूर, किसान होली पर्व को धरती के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए बड़े धूमधाम से मनाते हैं। यह वसुंधरा केवल अन्न की ही नहीं मानवीय संवेदनाओं, संस्कृतियों के उर्वरता की धरती है। इन तमाम बातों पर गौर किया जाए तो विभिन्न धार्मिक धारणाएं कथा, कहानियाँ, किवंदतियाँ ग्रामीण कृषकों के बीच सांस ले रही होती है। मानव की इस धरती के प्रति सेवा, संस्कार, आस्था, विश्वास ही देश की धर्म , कर्म और संस्कृति है। देश के कृषि परंपराओं की जड़ों को सुदृढ़ बनाने और पीढ़ी दर पीढ़ी तक पहुंचाने का दायित्व हर नागरिकों का है।

ढारा, डोंगरगढ़, छत्तीसगढ़।

तीन मीनट की कहानी : इग्नोर करिए, निश्चिन्त रहिए !

गिरीश बख्शी

'स्थित प्रज्ञ'- भगवान श्री कृष्ण की गीता के भक्तों ने मोहल्ले के राम भगत को यही उपाधि दी है। इस अद्भूत शब्द का सही अर्थ शायद बहुत लोग नहीं जानते हैं पर मैं राम भगत भैया को जानता हूँ वे सचमुच स्थित प्रज्ञ प्राणी हैं। उन्हें घर की पत्नी से लेकर बाहर के लोग भी कई तरह से उनको 'सुना' देते पर वे ऐसे कि निर्विकार भाव से मुस्करा कर चुप रहते । वर्षों से इस मोहल्ले में रहते हुए मुझे हो गये, मैने उन्हें किसी से लड़ते तो क्या, ऊँची आवाज में प्रतिक्रिया व्यक्त करते भी नहीं देखा। वे सदा चुप, शान्त निस्प्रह रहते।

कभी-कभी मैं राम भगत भैया से कह उठता- ''बाबू काका! आपकी पीठ पीछे वो छोकरा छगन लाल आपको कैसा-कैसा तो क्या.. मतलब बहुत अंडबंड कह रहा था। मैंने उसे मना किया तो वह जोर से बोल उठा-''तुम क्या जानो स्कूल मास्टर! मालूम, अगले जन्म में वह भगत राम गधा होगा गधा।'' मैने विरोध किया कि ऐसा मत कहो भैया! अगला जनम किसका क्या होगा, कौन जानता है।'' वह भड़क उठा तो सुनो तुम इसी जनम के गधे हो। वो साला-राम भगत ... राम भगत बना फिरता है असली में है वह मूर्ख भगत। खैर छोड़िए! पर ये तो बताइए बाबू काका! छगन लाल आपके पीछे क्यों पड़ गया है?'' बाबू काका निश्छल हँसी हँस कर बोले-''वो इसलिए अनु भैया। कि पहली बात वो उसका उग्र स्वभाव है और दूसरी बात पिछले हप्ते शाम को गपशप करने जब वह पंडित जी के मकान के प्लेट फार्म पर आया तो मैं चुपचाप उठकर घर चला आया था। उसके आते ही मेरा उठ जाना लगता है उसके अहंकार को चोंट पहुँचा गया।

और बाबू काका? वो अगले जनम में गधा होने की बात पर बोलें-दंखो अनु! जब-जब जो भी होना है, तब-तब वो तो होना है, इस पर हमको क्यो रोना है। चलो अनु! यदि तुम्हें फुरसत है तो बाजार चलें। छोटे नाती ने पिचकारी की मांग की है।''

मै चहक उठा- मै जरूर चलूंगा बाबू काका! मुझे आपके साथ रहना अच्छा लगता है। अब जरा कुछ देर वो बालाजी बगीचे की बेंच पर बैठते हैं। मुझे आपसे कुछ बातें जानती है।

बाबूकाका ने मेरे कंधे पर हाथ रख कर स्नेहिल स्वर में कहा-''तुम मझे ऐसा ज्ञानी क्यों समझते हो, कि मेरे पास सब प्रश्नो का उत्तर है, मै सर्वज्ञानी हूँ।'' उनका मेरे कंधे पर हाथ रखना इतना अच्छा लगा जैसे मुझे मेरा 'संरक्षक' मिल गया ।''

बेच पर आराम से बैठने के बाद मैने संसकोच कहा-''दरअसल बाबू काका। मैं भी आपकी तरह शान्त निर्विकार बनना चाहता हूँ । पर बन नहीं पाता। मेरा अहंकारी स्वभाव मेरे आड़े आ जाता है।''

बाबू काका ने पूछा-'' काका ने पूछा-''ये बताओ अनु । कि अहंकार का मतलब क्या है? मैने सहज भाव से कहा-'' यहीं कि मैं थी मैं हूँ । मेरा अस्तित्व है। मैं किसी से छोटा नहीं । अपने मन का मैं मालिक हूँ इसीलिए मुझे कुछ कोई कहता है तो उससे लड़ भिड़ता हूँ। ''

बाबू काका मासूमियत से मुस्करा कर बोले-

''और मेरा सोचना है अनु! इतने विशाल संसार मे हम है क्या ? हमारा क्या अस्तित्व? मुझे एक कथा हमेशा याद आती रहती है। संक्षेप में सुनाता हूँ स्वर्ग लोक दरबार ने आगन्तुक से पूछा -

-''तूम हो कौन?

-'' मै... मैं रामलाल हूँ । अकड़ कर वह बोला।

-'' कहाँ के रामलाल ? किस लोक से आए हो?

-'' मै रामलाल पृथ्वी से आया हूँ।

- कौन सी पृथ्वी ? यहाँ तो अनेक पृथ्वी है?

- उस पृथ्वी से जहाँ सूर्य उदित होते है।

सूर्य तो अनेक है? कौन से सूर्य?

राम लाल अब घबरा गया । थूक घुटक कर किसी तरह

बोला- वो सूर्य जो एशिया में चमकता है।

फिर प्रश्न हुआ-''अच्छा तो एशिया में कहाँ?''

-'' एशिया के भारत में ! भारत वर्ष में।'

-'' भारत वर्ष मे कहां?''

-'' भारत वर्ष के छत्तीसगढ़ में ।

-''छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में।

-''राजनांदगांव मे कहाँ ?

-राजनांदगांव के स्टेशन पारा में।

दरबान ने व्यंग्य से मुस्करा कर कहा -इतने-इतने बड़े ब्रह्माण्ड के जरा से स्टेशन पारा में रहने वाले क्षुद्र से क्षुद्र हम प्राणी। तुम और तुम कहते हो अकड़ कर- मै रामलाल हूँ।

तो अनु! समझे न इस कथा का मर्म। काहे का अहंकार ? हम क्या हैं? तिनका भी नही। तो फिर क्यों अकड़ क्यों क्रोध। अनु मालूम ! मेरा सारा अहंकार इस छोटी सी कथा मे बिलीन हो गया है।''

बाबू काका की बातो से मेरे पूरे शरीर में बिजली सी दौड़ गई। मै भरभरा उठा। सम्हालने के बाद पूछा-''तो बाबू काका! आप मुझे समझाइए जब काकी जी आपको आवेश में आकर बहुत कुछ बात जाती हैं, बाहर के लाग मतलब छगनलाल जैसे ना समझ व्यक्ति कुछ भी बक जाते हैं तो आप मे क्रोध क्यों उत्पन्न नहीं होता ? बदला लेने की भावना आप में क्यों नहीं जगती? आप स्थित प्रज्ञ कैसे हो जाते हैं ?

बाबू काका गुरू गंभीर होकर बोले''अनु।

स्थितप्रज्ञ हो जाना तो बहुत बड़ी बात है। जो गीता को आत्मसात कर सकता है नहीं स्थितपज्ञ हो सकता है। मैं तो किसी के चाहे पर के हो या बाहर के लोगो की कड़वी बोली, चिढ़ना, निनासना, यानी व्यंग्य-वंग पर ध्यान ही नहीं देता । उन सबको इग्नोर कर देता हूँ। मेरा अपना सिद्धांत है अनु भैया! कि इग्नोर करिए निश्चिन्त रहिए। चलों अब पिचकारी लेने चलें।

बालाजी मंदिर के पास स्टेशन पारा राजनांदगांव

विचार सरिता

बसंती बयार से है चढ़ता, होली का खुमार, लगाओ रंग गुलाल, आया होली का त्यौहार

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

फाल्गुन महीने की पूर्णिमा को होली मनाई जाती है। एक ओर जहाँ वसंत ऋतु में पूरी प्रकृति वासंती श्रृंगार करती है और सुखद शीतोष्ण हवा चलती है, मनुष्य का तन-मन भी मौसम की इस अंगड़ाई पर थिरक उठता है। पेड़ पौधों पर नये पत्तों का आना, सरसों के पीले फूलों की नैसर्गिक सुंदरता और पतझड़ वाले वृक्षों से गिरते पत्तों की सांगीतिक खड़खड़ाहट के मध्य मन मयूर का नर्तन करना। दूर नेपथ्य से उठते फाग गीतों के बोल और ढोल-मांदर की थाप पर थिरकते हुए आह्लादित हुलियारे यही तो फागुन है। यही फागुन का खुमार और मस्ती है। यह फगुनी होली सभी को एक साथ अपने रंग में रंग देती है।

होली एक लोक पर्व है तथा यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। हिरण्यकशिपु के अत्याचार से जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी। उसका पुत्र प्रहलाद हरि का भक्त था।

दुष्ट हिरण्यकशिपु ने अपनी राजसत्ता के बल पर प्रहलाद का हृदय परिवर्तन करना चाहा, किंतु भीषण यातनाएं सहने के बाद भी प्रहलाद की भक्ति अविचलित रही। प्रहलाद को मारने के लिए उसकी बुआ उसे लेकर प्रज्वलित अग्नि में बैठी लेकिन प्रहलाद के स्थान पर होलिका भस्म हो गई। यह घटना न सिर्फ बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाती है, बल्कि यह भी सिद्ध करती है कि सत्य, सत्य होता है। प्रलोभन, यातनाएँ और भीषण कष्ट पाकर भी सत्य निर्भीक, मुखर और अविचलित ही रहता है।

आज विश्व शांति पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं और दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका से घिरी है। ऐसे वातावरण में होली का सार्वभौमिक भाईचारे का संदेश देता त्योहार एकता और आपसी मेलमिलाप का प्रभावी संदेश देता है। रंग गुलाल से लिपे पुते हुए चेहरे और रंग से सराबोर कपड़े सबको एक ही रंग में रंग देते हैं। एक रंग, होली का रंग, प्रेम और भाईचारे का रंग, लोगों को जोड़ने वाला रंग, इश्क का रंग, यही है मानवता का रंग।

दैनिक दावा के सभी पाठकों को इन मौलिक पंक्तियों के साथ होली की हार्दिक बधाई:-

बसंती बयार से है चढ़ता, होली का खुमार,
लगाओ रंग गुलाल, आया होली का त्यौहार।

कविता

होली ऐसा खेलिए...

होली ऐसा खेलिए जी, तन संग मन रंगे।
सदभाव मन में हो, ऐसा गीत गाइए।।
गाइए जो फाग गीत, गीत सुन श्याम नाचे।
मुरली की धुन सुन, जगत नचाइए।।
नचाइए गोप ग्वाला, संग सुरभी मंगला।
राधा रानी महारास, फिर दोहराइए।।
दोहराइए चलन, जो होलिका प्रहलाद।
संग बैठ हुताशन, बुराई जलाइए।।
जलाइए होलिका में, गेहूं चना जौ बताशे।
संग संग मन तन, से पाप मिटाईए।।
मिटाईए राग द्वेष, नफरत अंतर की।
मेलजोल से सबको, अपना बनाईए।।

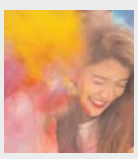

श्रीमती रेशमी साहू

कविता

''होली आई रे''

होली आई रे, होली आई रे होली आई
खुशियां लाई रे, रंग लाई रे, होली आई
गीतों की तान लेके, नगाड़ों का साज लेके
रंगों का रंग लेके, बच्चों का झुंड लेके
होली आई रे होली आई रे होली आई
गेहूं की बालियां झूमें, बौरों में अमरिया झूमे
फूलों संग कलियां झूमें, गलियों में
बच्चे घूमे
होली आई रे होली आई रे होली आई
चेहरों में लाली छाई, सब बोले होली है भाई
हिंदू मुस्लिम सिख इसाई, हम
सब एक है भाई
होली आई रे होली आई रे होली आई
पिचकारी में रंग है, हाथ में गुलाल है
होली का फाग है, नगाड़ों का थाप है
होली आई रे होली आई रे होली आई

थंगेश्वर कुमार साहू मीत
साहित्यकार/कवि/व्याख्याता

कविता

सुनता ले मनाबोन होली

गली खोर अऊ शहर नगर म, बना के चलबोन टोली।
सबला मया के रंग रंगाके, जुर मिल खेलन होली।
अमीर गुलाल अऊ चन्दन के, माथा म लगाबोन रोली।
मया पिरित के निती निभा के, रहिबोन सब हम जोली।
सुनता ले मनाबोन ऐसो के होली।।
हिरदय के जम्मो मईल मेटा के, अऊ बईरी संग मन मिलाके।
नशा पान के कसम ल खाके, एक धागा म पिरोबोन मावली।
नई खेलन हम चिखला पानी, एक ले होथे सबला हानी।
परसा फुल के रंग बनाबोन, नई खावन कहु भांग अऊ गोली।
सुनता ले मनाबोन ऐसो के होली।।
नई होवन जी लगड़ा लड़ई, मिल के रहिबोन भाई-भाई।
बड़ मन भावन फागुन महिना, सुघ्घर चलत हावे पुरवाई।
बेटी बेटा के बिहाव म बाजही, गड़वा बाजा संग शहनाई।
बहिनी मन लागे राधारानी, भईया मन जस किशन कन्हाई।
नाती बर लेबोन पिचका माला, नतनीन बर रंगोली,
सुनता ले मनाबोन ऐसो के होली।।
पानी बचाबोन होली खेलबो, बोलबोन मीठ मीठ बोली।
भईया के धोती रंगही, अऊ भऊजी मन के चोली।
बबा मन ल टीका लगाबोन, डोकरी दाई संग हांसी ठिंठोली।
सियान के सीख ल मानव सदा, झन करव जी मुहजोरी।
सुनता ले मनाबोन ऐसो के होली।।

आनंदराम सार्वा अनंत
कु.बो.भाठागांव

कविता

।। होली के रंग ।।

तुम तना नाना रे, तुम तना नाना, होली के रंग में रंग गे हे जमाना,
टूरा ह टूरी ल मारे पिचकारी डोकरा ह मारत हे डोकरी ल ताना।।
तुम ताना नाना रे, तुम तना नाना.....
परसा फूल ह छींचत हे लाली-लाली
सरसों पिंवरे जस सोनहा के बाली ।
महुआ मतौना ह माहकत हे,मंद
-मंद कोयली ह घोरत हे कलर काली-काली।
बौराऐ परत हरियर आमा के पाना।।
तुम तना नाना.....
हांसी- खुशी के मौका हे आए मन के
मइल ह सब्बो धुल जाए बैरी -
दुश्मनी भुला के एक होवय
मया-पिरित धर गला लगाए।
धरे हवंय सब पिरित के बाना
तुम तना नाना.... मन के मलाल,जला देथे होली
रंग - गुलाल लगा देथे होली,
होरी के गीत, चभोरी के बोली
बैरी - दुश्मन ल मिला देथे होली।
चिखला में घोलंड के, धुर्रा में सन के,
होली के रंग में सरग- सुख पाना।।
तुम तना नाना रे,, तुम तना नाना,
होली के रंग में रंग गे हे जमाना।।

मानसिंह''मौलिक''
महामाया चौंक
बसंतपुर
राजनांदगांव

राशिफल

मेष
आज का फोकस आपके दिल और गतिविधियों के 'पुनर्जन्म' पर है। ग्रहण आपके पांचवें भाव को प्रभावित कर रहा है, जो आपको उन पुराने शौक या प्रोजेक्ट्स को छेड़ने का साहस देगा जो अब आपके काम के नहीं हैं। प्रेम संबंधों में शुक्र-शनि की युति आपको थोड़ा गंभीर या अकेला महसूस करा सकती है।

वृष राशि
आज का दिन घरेलू शांति और भावनात्मक जड़ों को मजबूत करने का है। ग्रहण आपके चौथे भाव में लग रहा है, जो परिवार और करियर के बीच एक %खींचातानी% पैदा कर सकता है। प्रेम संबंधों में आप काफी मैच्योर व्यवहार करेंगे। जीवनसाथी के साथ भविष्य की योजनाओं पर गंभीर चर्चा संभव है।

मिथुन
आज का दिन विचारों के शुद्धिकरण और संचार के माध्यम से बड़े बदलाव का है। ग्रहण आपके तीसरे भाव में होने से आपके बोलने के तरीके और भाई-बहनों के साथ संबंध में 'रीसेट' की स्थिति बनेगी। लव लाइफ में बौद्धिक गतिविधि की जरूरत महसूस होगी। पार्टनर के साथ बहस करने के बजाय उनकी बातों को सुनें।

कर्क
आज का दिन खुद के वैल्यूज को दोबारा सेट करने और वित्तीय ऑडिट का है। ग्रहण आपके दूसरे भाव (धन भाव) को प्रभावित कर रहा है, जो आपको यह एहसास दिलाएगा कि असली सुरक्षा बैंक बैलेंस से नहीं बल्कि आंतरिक शक्ति से आती है। प्रेम संबंधों में आप गहराई और सच्चाई की तलाश करेंगे।

सिंह
आज ग्रहण आपकी ही राशि में लग रहा है, जो आपके व्यक्तित्व और व्यक्तिगत लक्ष्यों पर 'कॉस्मिक लाइट' डाल रहा है। यह एक 'आध्यात्मिक डिटॉक्स' का समय है, जहां आप दूसरों की उपलब्धियों के बजाय खुद की पीढ़ियों को प्राथमिकता देंगे। प्रेम संबंधों में सातवें भाव के ग्रहों के कारण अहंकार का टकराव हो सकता है।

कन्या
आज का दिन पुरानी यादों को छोड़ने और अवचेतन मन की क्लैरिटी का है। ग्रहण आपके बारहवें भाव में लग रहा है, जो आत्म-मंथन और एकांत की मांग करता है। लव लाइफ में रोमांस से ज्यादा जुड़ना और मर्यादा का महत्व रहेगा। आज सिस्टम को बेहतर बनाने में दिखेगी। आर्थिक मामलों में तरक्की या इंक्रीमेंट में थोड़ी देरी हो सकती है।

तुला
आज का दिन आपके सामाजिक दायरे और भविष्य के सपनों को 'फिल्टर' करने का है। प्रेम संबंधों में गंभीरता हावी रहेगी। पुराने प्रेमी से संपर्क संभव है, लेकिन बहस से बचें। प्रोफेशनल नेटवर्क में अपनी गरिमा बनाए रखें। आर्थिक रूप से आय के स्रोत में अचानक बदलाव आ सकता है, दोस्त को उधार देने से बचें।

वृश्चिक
आज का दिन आपके करियर और पब्लिक इमेज में एक बड़ा बदलाव का है। ग्रहण आपके दसवें भाव में होने से कोई पुराना प्रोजेक्ट खत्म हो सकता है, जो भविष्य के लिए अच्छा होगा। प्रेम संबंधों में शुक्र-शनि की युति दिखावे को खत्म कर गहराई की मांग कर रही है। करियर में 'आर या पार' वाली स्थिति बन सकती है।

धनु
आज का दिन आपकी मान्यताओं के 'पुनर्जन्म' और उच्च ज्ञान की प्राप्ति का है। ग्रहण आपके नौवें भाव में लग रहा है, जो आपको जीवन को एक नए नजरिए से देखने के लिए मजबूर करेगा। प्रेम संबंधों में वक्री गुरु संबंधों में संशोधन का संकेत दे रहे हैं। घर पर अपनों के साथ शांति से समय बिताना सुखद रहेगा। करियर में आपकी 'ग्लोबल सोच' ताकत बनेगी।

मकर
आज का दिन 'कॉस्मिक सरेंडर' का है, जहां आपको भरपूर और गहरे भावनात्मक बंधनों पर नियंत्रण छोड़ा होगा। ग्रहण आपके आठवें भाव में होने से साझा फैलाव में बड़े बदलाव आएंगे। प्रेम संबंधों में आप आत्मा के स्तर पर जुड़ना चाहेंगे। करियर में आप 'पर्दे के पीछे' रहकर काम करना पसंद करेंगे।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए 'हाई-वोल्टेज' है क्योंकि ग्रहण आपके सातवें भाव (साझेदारी) में लग रहा है। संबंधों में यह 'अंतिम फैसला' जैसा समय हो सकता है। पार्टनर की जरूरतों को नजरअंदाज न करें। करियर में आप लीडर बनना चाहते हैं, लेकिन बिना टीम के आगे बढ़ना मुश्किल होगा। अपनी 'पर्सनल ब्रांडिंग' पर काम करें।

मीन
आज का दिन आपकी दिनचर्या और स्वास्थ्य के 'लाइफस्टाइल डिटॉक्स' का है। ग्रहण आपके छठे भाव में लग रहा है, जो बुरी आदत को छोड़ने के लिए सर्वश्रेष्ठ है। प्रेम संबंधों में आप उम्र भर का साथ और गंभीरता चाहेंगे। करियर में आपकी काबिलियत पुरानी गलतियों को पकड़ने और सिस्टम को ठीक करने में दिखेगी।

आजादी के 75 साल बाद साल्हेवारा के 31 गांवों में पहुंची बिजली आदिवासियों ने एमडी भीम सिंह कंवर के साथ खेली विकास की होली

खैरागढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (सीएसपीडीसीएल) के प्रबंध निदेशक एवं छत्तीसगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (क्रेडा) के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी भीम सिंह कंवर ने खैरागढ़-छुईखदान, गंडई जिले के एकदिवसीय प्रवास के दौरान सुदूर अंचल साल्हेवारा क्षेत्र के संरक्षित जनजाति परिवारों को पीएम जनमन योजना के तहत प्रदाय किये जा रहे विद्युत कनेक्शनों एवं विद्युत संसाधनों का निरीक्षण किया। आजादी के पहली बार ग्रिड कनेक्टिविटी के अन्तर्गत बिजली पहुंचने पर ग्राम ग्वालगुंडी, सिंगबोरा एवं आमाटोला में बड़े धूमधाम से संरक्षित आदिवासियों के परिवारजनों ने एमडी भीम सिंह कंवर के साथ होली का त्यौहार मनाया। इस अवसर पर एमडी श्री कंवर ने कहा कि केन्द्र सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना ने जनजातीय बस्तियों में निवासरत परिवारों की जीवन में अभूतपूर्व बदलाव लाया है। बिजली की जरूरत आज के युग की आधारशीला है। इसके बिना जीवन की परिकल्पना संभव नहीं है। खासकर जनजाति परिवारों के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में उन्होंने हितग्राहियों को प्रमाण पत्र एवं शाल भेंटकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट, राजनांदगांव वृत्त के अधीक्षण अभियंता शंकेश्वर कंवर, अधीक्षण अभियंता प्रोजेक्ट पोयाम, ईई खैरागढ़ संभाग आलोक दुबे, ईई प्रोजेक्ट संभाग मुकेश कुमार साहू, एई प्रशांत कोड़ापे, श्रीमती किरण जांगड़े सहित अन्य अधिकारी उपस्थित हुए। पीएम जनमन योजना के तहत, विशेष पिछड़ी जनजातीय बस्तियों में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के कार्य से इन ग्रामों के बच्चों, बड़ों एवं बूजुर्गों के आंखो एवं उनके चेहरे का रंग ही सब कुछ बयां कर

रही थी। बिजली के आने की खुशी वहां के लोगों का कई दशकों पुराने सपनों साकार हुआ। ग्राम ग्वालगुंडी, सिंगबोरा एवं आमाटोला के रहवासियों ने बताया कि दैनिक जीवन पहले से अधिक सुगम हो गया है। बच्चों के पढ़ाई के बेहतर वातावरणों के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी सुविधा में सुधार होगा। गांव में व्यापक स्तर पर छोटे-बड़े व्यापार व्यवसाय को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीणों ने इस कार्य को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि अब पंखा, टीवी, मोबाईल जैसे बुनियादी सुविधाओं सहित आधुनिक युग के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की सबलता मिलेगी। उन्होने जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित की है।

पीएम जनमन योजना की सौगात ने 31 ग्रामों की बदली तस्वीर

नया सवेरा और वरदान के रूप में पीएम जनमन योजना ने 31 गांवो के 568 परिवारों की जिंदगी बदल दी। हम बात कर हैं। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के साल्हेवारा क्षेत्र के अत्यंत सघन वनों से घिरे वनग्रामों खम्ही, खर्रा, बंजारपुर, बांधाटोला, बांसबीरा, बसंतपुर, बैगा साल्हेवारा, बगारझोला, मरकाटोला, मुरूम, हाथीझोलाकला, भथली, पण्डरीपानी, परसाही, रेंगाखार, संमुदपानी, समनापुर, सरईपतेरा, सरोधी, सुकतरा, डोलीपिट्ठा, दरबानटोला, छुहिरी, तरफमंजली, तुमड़ादाह, नवागांव, गातापार, गोलारडीह, गेरूखदान, लालपुर एवं धोधा जहां देश के आजादी के 75 सालों तक बिजली नहीं पहुंच पाई थी। जिला प्रशासन, वन विभाग एवं बिजली विभाग की निरंतर प्रयासों के कारण पीएम जनमन योजना के तहत 1 करोड़ 2 लाख 53 हजार रूपये की राशि स्वीकृत कर विद्युतीकरण का कार्य पूरा किया गया है। इन ग्रामों के विद्युतीकरण के लिए कुल 4.44 किमी 11 केव्ही लाईन, 11 केव्ही डीपी 6 नग, 10 किमी निम्नदाब केबल लाइन एवं 7 नग वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इन ग्रामों में निवासरत 568 परिवारों का जीवन पारंपरिक बिजली की रोशनी से वंचित था। एक तरह से यहां के ग्रामीण लालटेन व चिमनी के सहारे अपनी दिनचर्या व्यतीत कर रहे थे। इन ग्रामों के विद्युतीकरण का कार्य अत्यंत विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए कुशल विद्युत कर्मियों द्वारा पूर्ण किया गया।

अरसीटोला के ग्रामीणों का हल्लाबोल : जनपद पंचायत में सौंपा ज्ञापन, रोजगार सहायक को हटाने की मांग

डोंगरगांव (दावा)। जनपद क्षेत्र के ग्राम अरसीटोला में पदस्थ रोजगार सहायक के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा है। बड़ी संख्या में जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचे ग्रामीणों ने रोजगार सहायक पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें तत्काल पद से हटाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्यवाही नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में रोजगार सहायक कौशल कुंजाम पर कई अवैध कार्यों में संलिप्त होने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह किया गया है कि रोजगार सहायक गांव के युवाओं को अवैध शराब बिक्री के धंधे में धकेलने का कार्य कर रहा है। इसके अलावा अन्य प्रशासनिक अनियमितताओं के कारण भी ग्रामीण लंबे समय से परेशान थे।

अधिकारियों और अध्यक्ष से की मुलाकात

ज्ञापन सौंपने पहुंचे ग्रामीणों ने जनपद पंचायत अध्यक्ष रंजिता पटौती, कार्यक्रम अधिकारी विद्या चंद्राकर और करारोपण अधिकारी ओमप्रकाश जैन से मुलाकात की। उन्होंने अपनी समस्याओं को विस्तार से रखते हुए बताया कि रोजगार सहायक का आचरण शासकीय सेवा के अनुरूप नहीं है और इससे गांव का माहौल खराब हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जनपद पंचायत डोंगरगांव की सीईओ रोशनी भगत ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि रोजगार सहायक के विरुद्ध प्राप्त लिखित शिकायत पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और आरोपों की पुष्टि होने पर नियमानुसार हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्राम अरसीटोला के जागरूक नागरिक और युवा उपस्थित रहे। जिन्होंने एक स्वर में भ्रष्ट आचरण के खिलाफ कार्रवाई की मांग बुलंद की।

पहला कॉलम...

रंगों का महापर्व होली : खुज्जी विधायक भोलाराम साहू ने दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

जोंधरा (दावा)। खुज्जी विधायक भोलाराम साहू ने रंगों के महापर्व होली के अवसर पर जिले एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में विधायक साहू ने कहा कि होली भारतीय परंपरा का एक प्रमुख एवं पावन पर्व है। जो आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का संदेश देता है। गुलाल के विविध रंग, पारंपरिक पकवानों की खुशबू और उल्लास से भरा वातावरण इस जीवंत पर्व की विशेष पहचान हैं। उन्होंने कहा कि होली का त्योहार समाज में व्याप्त भेदभाव और दूरियों को मिटाकर एकता का रंग भरने का अवसर देता है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक भी है और हमें सामाजिक समरसता को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। विधायक साहू ने नागरिकों से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखते हुए हर्बल रंगों का उपयोग कर और शांति-सौहार्द बनाए रखते हुए होली मनाएं। अंत में उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए सुरक्षित एवं आनंदमय होली की शुभकामनाएं दी।

फाग उत्सव लोक संस्कृति का अभिन्न हिस्सा : जिपं सभापति जागृति यदु कल क्षेत्र के फाग व झांकी कार्यक्रमों में होंगी शामिल

डोंगरगांव (दावा)। होली के अवसर पर क्षेत्र के अनेक ग्रामों में फाग एवं झांकी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। बता दें कि फाग उत्सव क्षेत्र की लोक संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। होली के बाद आयोजित होने वाले इन आयोजनों में ग्रामीण अंचलों के कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। झांकी प्रतियोगिताओं के माध्यम से सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, नारी सशक्तिकरण एवं अन्य समसामयिक विषयों को भी रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति जागृति चुन्नी यदु 5 मार्च को डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र के अनेक ग्रामों में आयोजित भव्य फाग एवं झांकी प्रतियोगिता कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होगी। उनके आगमन को लेकर संबंधित ग्रामों में उत्साह का माहौल है तथा तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार उनके निर्धारित दौरा कार्यक्रम में ग्राम बम्हनी, कोकपुर, दर्राबांधा, तेंदुटोला, सांगिनकछार, तिलईरवार, अरसीटोला सहित अन्य ग्रामों का भ्रमण शामिल है। इन सभी ग्रामों में पारंपरिक फाग गीत, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं आकर्षक झांकियों का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष प्रस्तुति होगी। सभापति श्रीमती जागृति चुन्नी यदु के आगमन को लेकर आयोजन समितियों द्वारा मंच सज्जा, स्वागत द्वार, ध्वनि व्यवस्था एवं सुरक्षा इंतजाम की व्यापक तैयारियां की गई हैं। ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इन कार्यक्रमों का लाभ लेने कहा है। कृपया पर्यावरण का ध्यान रखें और इस ईमेल को केवल तभी प्रिंट करें जब अत्यंत आवश्यक हो। हम पर्यावरण जागरूकता को प्रोत्साहित करते हैं।

स्वरोजगार का सुनहरा अवसर : सूक्ष्म खाद्य उद्योगों की स्थापना पर मिलेगा 35 प्रतिशत अनुदान

खैरागढ़ (दावा)। थानीय स्तर पर छोटे खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले में संचालित या नई प्रस्तावित इकाइयों को परियोजना लागत पर 35 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत विभिन्न खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना या उनके आधुनिकीकरण (उन्नयन) के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है। खाद्य सामग्री में आटा चक्की, मसाला पिसाई, टोस्ट व बेकरी निर्माण, बड़ी निर्माण, मिष्ठान व डेयरी : कुल्फी, आइसक्रीम, मिठाई, चिक्की और पापड़ उद्योग, पशु आहार : पशु चारा और मुर्गी चारा निर्माण इकाइयां है।

0 आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज

इच्छुक आवेदक योजना के आधिकारिक पोर्टल pmfme.mofpi.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेजों की स्कैन कॉपी अपलोड करना अनिवार्य है। जिसमें आधार कार्ड एवं पैन कार्ड, बैंक पासबुक (पिछले 6 माह का स्टेटमेंट), मशीनरी या निर्माण हेतु कोटेशन, राशन कार्ड की प्रति होना अनिवार्य है। योजना से संबंधित किसी भी विस्तृत जानकारी के लिए आवेदक कार्यालयीन समय में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, खैरागढ़ (भू-तल, गीता कॉम्प्लेक्स, कवर्धा रोड) में संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सहायक प्रबंधक अर्जुन कुमार साहू (मो. 9981866045) से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्रदेश के 6 जिलों के अजाक थानों को मिले विशेष अधिकार : अब पूरे जिले में एसटी/एससी एक्ट के मामलों की करेंगे जांच

खैरागढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ सरकार ने कानून-व्यवस्था और न्याय प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। सरकार ने प्रदेश के 6 जिलों के अजाक पुलिस थानों को विशेष रूप से अधिसूचित किया है। अब ये थाने अपने संबंधित जिलों की पूरी सीमा के भीतर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत दर्ज मामलों की जांच के लिए अधिकृत होंगे। यह अधिसूचना 23 फरवरी को जारी की गई थी। जिसे 26 फरवरी को छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) में आधिकारिक तौर पर प्रकाशित कर दिया गया है। इस आदेश के बाद अब नवनिर्मित जिलों में एसटी/एससी एक्ट से जुड़े मामलों की जांच प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित और केंद्रित होगी।

इन 6 जिलों के थानों को मिली कमान

अधिसूचना के अनुसार निम्नलिखित जिलों के अजाक पुलिस थाने अब पूरे जिले के मामलों को देखेंगे। जिसमें अजाक पुलिस थाना, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, अजाक पुलिस थाना, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, अजाक पुलिस थाना सक्ती, अजाक पुलिस थाना, सारंगढ़-बिलाईगढ़, अजाक पुलिस थाना, मनेंद्रगढ़-भरतपुर, चिरमिरी, अजाक पुलिस थाना, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही आदि है।

त्वरित न्याय और प्रभावी कार्रवाई की उम्मीद

सरकार के इस कदम से एसटी/एससी अत्याचार निवारण अधिनियम से जुड़े मामलों में तेजी आने की उम्मीद है। अब तक इन नए जिलों में जांच की शक्तियों को लेकर जो विकेंद्रीकरण था, वह अब एक ही नामित थाने के पास केंद्रित होगा। इससे विशेष रूप से अधिसूचित थाने इन अधिनियमों की कानूनी बारीकियों को बेहतर ढंग से संभाल सकेंगे। एक ही केंद्र से पूरे जिले की निगरानी होने के कारण मामलों के निराकरण में विलंब कम होगा। पीड़ितों को अब भटकना नहीं पड़ेगा और उन्हें एक ही स्थान पर विशेषज्ञ जांच दल की सेवाएं मिलेंगी। प्रशासनिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय विशेष रूप से वनांचल और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों जैसे मोहला-मानपुर और खैरागढ़-गंडई के लिए मील का पत्थर साबित होगा। जहां इन वर्गों के हितों के संरक्षण की सबसे अधिक आवश्यकता है।

कृषि उपज मंडी के अध्यक्ष बने लीलाधर साहू, समर्थकों में हर्ष

राजनांदगांव (दावा)। जिला भाजपा के ग्रामीण मंडल अध्यक्ष रहे लीलाधर साहू को पार्टी द्वारा उसे पारितोषिक देते हुए कृषि उपज मंडी का अध्यक्ष बना दिया गया है। भाजपा के निष्ठावान सदस्य और कर्मठ कार्यकर्ता से लेकर जिला भाजपा उपाध्यक्ष, भाजपा मंडल अध्यक्ष पद पर रहकर अपनी सक्रियता से पार्टी की पहली पसंद वाले लीलाधर साहू के कृषि उपज मंडी अध्यक्ष बनने से उनके समर्थकों में खासा हर्ष बना हुआ है। बता दें कि, कृषि उपज मंडी के अध्यक्ष बनने के लिए दर्जन भर दावेदार थे, लेकिन पार्टी ने लीलाधर साहू की पार्टी के प्रति निष्ठा और सक्रियता को देखते हुए उन्हें कृषि उपज मंडी का अध्यक्ष पद से नवाजा गया है। (एचएन)

जनपद पंचायत छुईखदान में बजट पर घमासान : सभापति सुधीर गोलछा ने प्रक्रिया को बताया अवैध, उपसंचालक से की शिकायत

छुईखदान/खैरागढ़ (दावा)। जनपद पंचायत छुईखदान में हाल ही में पारित बजट को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सामान्य प्रशासन समिति के सदस्य एवं सभापति सुधीर गोलछा ने आरोप लगाया है कि बैठक की विधिवत सूचना दिए बिना ही सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आयोजित कर 2-3 वर्षों का बजट पारित कर दिया गया।

उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को अवैध बताते हुए उपसंचालक (पंचायत) से प्रस्ताव पर तत्काल रोक लगाने और बैठक की कार्यवाही को शून्य घोषित करने की मांग की है। गोलछा ने अपने लिखित पत्र में कहा है कि उन्हें बैठक की जानकारी किसी आधिकारिक माध्यम से नहीं, बल्कि 28 फरवरी 2026 के अखबार में प्रकाशित समाचार से मिली। उनका कहना है कि समिति के सदस्य होने के बावजूद सूचना न मिलने के कारण वे बैठक में शामिल नहीं हो सके और बजट से संबंधित कथित वित्तीय गड़बडियों तथा नियम उल्लंघन की जानकारी कार्यवाही पंजी में दर्ज नहीं करा पाए। उनका आरोप है कि इससे गंभीर अनियमितताओं की जानकारी शासन तक पहुंचने से रह गई।

उन्होंने यह भी बताया कि समिति में कुल 9 सदस्य हैं, लेकिन सूचना के अभाव में केवल 5 सदस्य ही बैठक में पहुंच पाए। जबकि 4 सदस्य अनुपस्थित रहे। गोलछा के अनुसार यदि सभी सदस्यों को समय पर सूचना दी जाती तो पूर्ण उपस्थिति के साथ विस्तृत चर्चा संभव होती। चार सदस्यों की अनुपस्थिति में बजट पारित किए जाने को उन्होंने 'विवादित' बताते हुए कहा कि इससे निर्णय की वैधता पर प्रश्न चिह्न लग गया है। गोलछा ने उपसंचालक कार्यालय को भेजी शिकायत में चेतावनी दी है कि यदि प्रस्ताव निरस्त नहीं किया गया तो इसे संगठित वित्तीय अपराध मानते हुए उच्च अधिकारियों और न्यायालय में कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि उपसंचालक कार्यालय की ओर से उन्हें संदेश मिला है कि मामले पर कार्रवाई कर उन्हें सूचित किया जाएगा। बजट पारित होने के बाद से जनपद पंचायत में जारी विवाद अब औपचारिक शिकायत के बाद और गंभीर रूप ले सकता है तथा प्रशासनिक स्तर पर जांच और निर्णय की स्थिति बन सकती है।

राधे-राधे के उद्घोष से भक्तिमय हुआ छुईखदान : महिला रामायण मंडली ने धूमधाम से मनाया होली उत्सव 2026

छुईखदान (दावा)। स्थानीय बाईसाहब राधाकृष्ण मंदिर समिति एवं महिला रामायण मंडली के संयुक्त तत्वाधान में होली उत्सव 2026 हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राधा-कृष्ण की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं ने अबीर-गुलाल के साथ फूलों की होली खेली। जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्ति के रंग में सराबोर हो गया। उत्सव का शुभारंभ भगवान श्री राधा-कृष्ण की विशेष पूजा-अर्चना और उन्हें गुलाल अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रानी नम्रता वैष्णव, राजा गिरिराज किशोर वैष्णव, राजमाता राजश्री देवी और राजकुमारी राधारानी विशेष रूप से उपस्थित रही। राजपरिवार और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने उत्सव की गरिमा को और बढ़ा दिया।

नन्हे बच्चों ने बिखेरी झांकी की छटा

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नन्हे बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई राधा-कृष्ण और भगवान भोलेनाथ की मनमोहक झांकी रही। बच्चों की वेशभूषा और प्रस्तुति ने भक्तों का मन मोह लिया। फाग गीतों और होली भजनों की धुन पर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। पूरे आयोजन के दौरान राधे-राधे के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। मंदिर समिति के संरक्षक लाल जेके वैष्णव ने प्रतिवर्षानुसार आयोजित होने वाले इस पारंपरिक उत्सव पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम के समापन पर समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए मिठाई और महाप्रसाद (भंडारा) का वितरण किया गया। आयोजन में लतारानी वैष्णव, रेखा वैष्णव, ललिता चंद्राकर, मिथिला कांति भट्ट, शशि महोबिया, समाजसेवी संदीप महोबिया, अधिवक्ता उमाकांत महोबिया, शरद डब्बू श्रीवास्तव, पुजारी गणेश ललित वैष्णव, और राजकुमार सदाबहार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सत्य की जीत : हरिशंकर साहू ससम्मान दोषमुक्त, कोर्ट ने झूठे और बेबुनियाद आरोपों को किया खारिज

डोंगरगांव (दावा)। नगर में बहुचर्चित विवाद में फंसे विजय मेडिकल स्टोर्स के संचालक हरिशंकर साहू को जिला न्यायालय ने दोषमुक्त कर दिया है। कोर्ट के फैसले में उनपर लगाए गए आरोपों के साबित नहीं होने पर श्री साहू को ससम्मान बरी कर दिया गया है। बता दें मई 2021 को थाना डोंगरगांव में उनके खिलाफ में नगर बंद की कथित धमकी और झूठी शिकायत के आधार पर धारा 151, 106, 107, 294, 506 एवं 507 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। मामले की जानकारी देते हुए हरिशंकर साहू ने बताया कि प्रकरण में तत्कालीन डोंगरगांव पुलिस अधिकारी द्वारा मेरे खिलाफ झूठा केस दर्ज किया गया। जिसमें नगर के डॉ. रतन मंडल व अन्य शामिल हैं। न्यायालय ने संपूर्ण साक्ष्यों और तथ्यों का परीक्षण करने के बाद मुझे दोषमुक्त किया है।

न्याय मिलने में देरी भी अन्याय की तरह है। पुलिस की लापरवाही और कोर्ट में लगातार बढ़ते मामले और कई वर्षों का उसका निराकरण नहीं होने से कोर्ट में अनेक मामले लगातार लंबित होते जा रहे हैं। इस तरह के झूठे आरोप लगाकर किसी को षडयंत्र के तहत पुलिस में मामला दर्ज कराना और उसके बाद कोर्ट कचहरी के चक्कर से आम आदमी काफी परेशान हो जाता है। किन्तु श्री साहू ने यह लड़ाई लड़कर स्वयं को सही साबित किया और न्यायालय से ससम्मान बरी हुए। इसी तरह के अनेक मामले पुलिस और कोर्ट में सामने आते हैं और कई बार समय, पैसा और पहुंच के अभाव में चलते बेगुनाह व्यक्ति को भी जेल की हवा खानी पड़ती है। न्यायालय में मामले के निराकरण पश्चात झूठे मुकदमा दर्ज करने और कराने वालों पर उसी मामले की सुनवाई में सजा का प्रावधान भी किया जाना चाहिए। ताकि पीड़ित व्यक्ति को पुनः कोर्ट कचहरी के चक्कर से बचाया जा सके।

हालाकि अब झूठी शिकायत और फर्जी गवाही जैसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट भी संज्ञान ले रहा है और वरिष्ठ वकीलों के माध्यम से फर्जी, शिकायत, झूठी गवाही, फर्जी जांच, फर्जी एफिडेविट फाइल करना जैसे मामलों पर पांच वर्षों की सजा की मांग की जा रही है। ऐसे मामलों में यदि कोर्ट द्वारा आदेश जारी किया गया और फर्जी मामलों में सजा का प्रावधान किया गया तो कोर्ट में कई वर्षों तक लंबा चलने वाले हजारों मामलों में कमी आने की संभावना है।

वर्तमान में फर्जीवाड़ा करने वालों पर कोई कार्यवाही नहीं होती। जिसके चलते फर्जी मामला दर्ज करने और कराने वालों के हौसले बुलंद हैं। कृपया पर्यावरण का ध्यान रखें और इस ईमेल को केवल तभी प्रिंट करें, जब अत्यंत आवश्यक हो। हम पर्यावरण जागरूकता को प्रोत्साहित करते हैं।

डोंगरगांव के मुक्तिधाम का होगा कायाकल्प : 37 लाख रुपये की राशि स्वीकृत

मंत्री अरुण साव और अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी की पहल रंग लाई

डोंगरगांव (दावा)। नगर पंचायत डोंगरगांव के वार्ड क्रमांक 03 में मुक्तिधाम निर्माण कार्य के लिए 36.84 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह स्वीकृति राज्य शहरी विकास अभिकरण छत्तीसगढ़ (सूडा) द्वारा मुक्तिधाम योजना के अंतर्गत प्रदान की गई है। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति को नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन एवं नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी के सतत प्रयासों का सकारात्मक परिणाम माना जा रहा है। नगर क्षेत्र में लंबे समय से सुव्यवस्थित मुक्तिधाम की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अंतिम संस्कार के दौरान नागरिकों को पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाने से कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या के समाधान हेतु नगर पंचायत द्वारा प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया था। जिस पर गंभीरता से विचार करते हुए स्वीकृति प्रदान की गई। बताया गया है कि प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों से प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा के बाद डोंगरगांव सहित कई स्थानों पर विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती त्रिपाठी ने इस विषय को प्राथमिकता में रखते हुए लगातार विभागीय स्तर पर पहल की। वहीं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री साव द्वारा प्रदेश में नगरीय अधोसंरचना सुदृढ़ करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत डोंगरगांव को यह स्वीकृति प्राप्त हुई है।

मुक्तिधाम निर्माण के तहत शेड, पेयजल व्यवस्था, बैठने की सुविधा एवं अन्य आवश्यक मूलभूत अधोसंरचना विकसित की जाएगी। जिससे नागरिकों को अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील प्रक्रिया के दौरान सम्मानजनक एवं व्यवस्थित सुविधा मिल सकेगी। अध्यक्ष श्रीमती त्रिपाठी ने स्वीकृति के लिए नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर के विकास और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। स्थानीय नागरिकों ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे डोंगरगांव के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम बताया है। माना जा रहा है कि यह स्वीकृति नगर क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पहला कॉलम...

ईरान के साथ युद्ध के बीच अमेरिका में रहस्यमयी भूकंप के कई झटके

नई दिल्ली। ईरान के साथ युद्ध के बीच अमेरिका में रहस्यमयी भूकंप के झटके लगे हैं। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्त्रस्) के अनुसार, रविवार सुबह अमेरिका के नेवादा राज्य में 4.3 तीव्रता के भूकंप महसूस किए गए। नेवादा के ग्रामीण इलाकों को भूकंप के झटकों ने हिला दिया। इससे लोगों में दहशत फैल गई। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप के बाद ऑफ्टर शॉक भी आए।

नेवादा राज्य में पिछले कुछ दिनों से भूकंपों का सिलसिला थम नहीं रहा है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (स्त्रस्) के अनुसार, टोनोपाह के पूर्वोत्तर इलाके में जहां अमेरिका का सीक्रेट टोनोपाह टेस्ट रेंज (जिसे एरिया 52 भी कहा जाता है) स्थित है। वहां पिछले तीन दिन से भूकंप आ रहे हैं। यूएसजीएस के अनुसार रविवार (1 मार्च) से अब तक कई भूकंप झटके दर्ज किए गए हैं, जिनमें से अधिकांश भूकंप के झटके 2.5 से ऊपर की तीव्रता वाले हैं। सबसे मजबूत झटका रविवार सुबह 4.3 मैग्नीट्यूड का है। इसका केंद्र टोनोपाह से लगभग 48 मील (77 किमी) पूर्वोत्तर में रहा। अमेरिका के परमाणु परीक्षण स्थल के पास भूकंप के झटके ऐसे समय आए हैं, जब अमेरिका ईरान के खिलाफ युद्ध के हालात हैं। हाल ही में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ चेतावनी दी है कि युद्ध की %सबसे बड़ी लहर% अभी तक आई ही नहीं है। अमेरिका के नेवादा यह घटना ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने परमाणु क्षमता से जुड़े मुद्दों पर सख्त बयान दिए हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि इससे वैश्विक तनाव बढ़ सकता है। हालांकि, अमेरिकी सरकार की ओर से ऐसी कोई घोषणा नहीं की गई है कि बड़े पैमाने पर परमाणु विस्फोटक परीक्षण शुरू किए गए हैं। इसका मतलब है कि नेवादा के सीक्रेट टोनोपाह टेस्ट रेंज में आ रहे भूकंप नेचुरल घटना सकती है।

श्रीलंका क्रिकेटर कुमार संगकारा के पिता का निधन

नई दिल्ली। श्रीलंका के दिग्गज क्रिकेटर कुमार संगकारा पर दुखों का पहाड़ टूट गया है. उनके पिता क्षेमा संगकारा का निधन हो गया है. बता दें कि क्षेमा एक प्रसिद्ध वकील थे और कैंडी में उनका काफी नाम था. उन्होंने क्रिकेट की दुनिया और श्रीलंका को कुमार संगकारा जैसा महानतम क्रिकेटर दिया. संगकारा के परिवार ने फैंस को यह दुखद खबर दी और ऐलान किया कि 4 मार्च को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा. कुमार संगकारा के पिता क्षेमा कैंडी शहर के सम्मानित नागरिकों में गिने जाते थे. वो भले ही प्रोफेशनल क्रिकेटर नहीं थे लेकिन कुमार के पहले कोच रहे थे. अपने बेटे को लेकर वो बहुत ही अनुशासित थे. वो हर दिन संगकारा और उनके भाइयों की कोचिंग में घंटों बिताते थे. कुमार संगकारा के परिवार ने पुष्टि की कि उनका निधन हो गया है. उन्होंने स्टेटमेंट में लिखा, 'हमें यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि वकील क्षेमा संगकारा का निधन हो गया है. वो कुमारी के पति और तुषारी, वेमिन्द्रा, सारंगा एवं कुमार के पिता के प्रिय पिता थे. उन्हें पूरे परिवार, दोस्तों, साथियों और जो लोग भी उन्हें जानते थे, सभी द्वारा याद किया जाएगा. कुमार संगकारा को श्रीलंका क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनाने में उनके पिता का काफी अहम किरदार था. संगकारा ने रिटायरमेंट के बाद अपने भाषण में पिता को धन्यवाद भी कहा था. बता दें कि कुमार संगकारा मौजूदा समय में IPL टीम राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच और डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे हैं.

लेबनान की हिजबुल्लाह पर 'सर्जिकल स्ट्राइक', इजरायल पर अटैक के बाद लगाया बैन

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच लेबनान सरकार ने बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है. आपात कैबिनेट बैठक के बाद सरकार ने ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह की सभी सैन्य और सुरक्षा गतिविधियों पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है. इसके साथ ही सरकार ने हिजबुल्लाह से अपने सभी हथियार वापस सौंपने का निर्देश भी दिया है. ये फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब हिजबुल्लाह की ओर से इजरायल पर रॉकेट और ड्रोन हमले किए जाने की खबरें सामने आईं. इन हमलों के कुछ ही घंटों बाद लेबनान सरकार की आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें देश की सुरक्षा स्थिति और क्षेत्रीय तनाव पर गंभीर चर्चा हुई.

बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने कहा कि लेबनान किसी भी ऐसी सैन्य कार्रवाई को स्वीकार नहीं करेगा, जो देश के वैध संस्थानों और सेना के नियंत्रण से बाहर हो. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सिर्फ लेबनान की राष्ट्रीय सेना को ही हथियार रखने और सैन्य कार्रवाई करने का अधिकार है. प्रधानमंत्री ने ये भी कहा कि हिजबुल्लाह को अपने सभी हथियार सौंपने होंगे ताकि देश में कानून-व्यवस्था बनी रहे और लेबनान को किसी बाहरी युद्ध में न घसीटा जाए. सरकार का मानना है कि गैर-राज्य सशस्त्र समूहों की वजह से देश की संप्रभुता और आंतरिक स्थिरता को खतरा पैदा हो रहा है.

आज साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बीच पहला सेमीफाइनल

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बीच टी20 विश्व कप 2026 का पहला सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा। ये मौजूदा टूर्नामेंट में दूसरी बार होगा जब इन दोनों टीमों के बीच आपस में टक्कर होगी। इस मैच में जीत हासिल करने वाली टीम फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन जाएगी। ये मुकाबला 4 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा।

वहीं, आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल मैच भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मार्च को खेला जाना है। ऐसे में जानते हैं कि अगर टी20 विश्व कप 2026 के दोनों सेमीफाइनल मैच बारिश से धुल जाते हैं तो फिर कौन-सी टीम फाइनल का टिकट कटाएगी? आइए आसानी से समझते हैं पूरा समीकरण।

आईसीसी ने टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल और फाइनल मैच के लिए अतिरिक्त समय आवंटित किया है। मैच अधिकारियों के पास खेल पूरा करने के लिए निर्धारित दिन पर 90 मिनट का अतिरिक्त समय होता है। अगर ड़ 1ह्य हैं सेमीफाइनल मैच बारिश से धुल जाता है, तो मैच को रिजर्व डे (5 मार्च) को जारी रखा जाएगा। अगर रिजर्व डे पर भी खेल संभव नहीं होता है, तो सुपर 8 स्टैंडिंग में जो टीम ऊपर होगी, वह आगे बढ़ जाएगी।

इस हिसाब से साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम को फायदा हो सकता है, क्योंकि उनका नेट रन रेट +2.259 का है, जबकि ग्रुप-2 अंक तालिका में न्यूजीलैंड की टीम +1.390 नेट रन रेट के साथ दूसरे पायदान पर विराजमान है। अगर भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल मैच बारिश से धुल जाता है, तो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ढ्ढष्ट) ने एक रिजर्व डे रखा हुआ है। अगर मैच में देरी होती है, तो अधिकारियों के पास गुरुवार यानी 5 मार्च को अतिरिक्त 90 मिनट और शुक्रवार को 120 मिनट का अतिरिक्त समय होता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कम से कम 5 ओवर का मैच हो।

अगर ये मैच रद कर दिया जाता है, तो फिर सुपर 8 अंक तालिका के आधार पर तय किया जाएगा। कि कौन फाइनल में पहुंचेगा। उस स्थिति में, इंग्लैंड फाइनल में पहुंच जाएगा क्योंकि वे भारत की तुलना में अपने सुपर 8 ग्रुप में उच्च स्थान पर रहे।

सेमीफाइनल के लिए अंपायरों की हुई घोषणा, भारत-इंग्लैंड मैच में संभालेंगे कमान

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल मैचों के लिए आईसीसी ने मैच अधिकारियों और अंपायरों के नामों का एलान कर दिया है। टूर्नामेंट के दोनों सेमीफाइनल मैच 4 मार्च और 5 मार्च को कोलकाता और मुंबई में खेले जाएंगे।

पहला सेमीफाइनल मैच 4 मार्च को ईडन गार्डन्स में खेला जाना है, जहां साउथ अफ्रीका की टक्कर न्यूजीलैंड से होगी। इस मैच में रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ ऑन-फील्ड अंपायर होंगे। वहीं, नितिन मेनन और रॉड टकर को तीसरे और चौथे अंपायर की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि मैच रेफरी भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ निभाएंगे।

आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल मैच भारत बनाम इंग्लैंड का है। इस मैच में मैदानी अंपायर क्रिस गैफनी और अलाउद्दीन पालेकर होंगे, जबकि एड्रियन होल्डस्टॉक और पॉल रीफल को तीसरे और चौथे अंपायर के तौर पर चुना गया है। वहीं, मैच रेफरी के लिए एंडी पाइक्रॉफ्ट को जिम्मेदारी मिली है। बता दें कि क्रिस गैफनी इससे पहले 2024 के सेमीफाइनल में भी इन दोनों टीमों के मैच में अंपायरिंग कर चुके हैं। वहीं, अलाउद्दीन पालेकर इस सीजन में भारत और इंग्लैंड दोनों के मैचों में सक्रिय रहे हैं।

आईसीसी रैंकिंग में स्मृति मंधाना का धमाका, फिर बनी नंबर-1 बल्लेबाज, कप्तान ने भी लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली। आईसीसी ने ताजा रैंकिंग का ऐलान कर दिया है। महिला क्रिकेट की ताजा आईसीसी रैंकिंग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। टीम इंडिया की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक बार फिर ओडीआई क्रिकेट में नंबर-1 की कुर्सी हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया ओडीआई सीरीज में उनके लगातार प्रदर्शन का इनाम उन्हें आईसीसी ओडीआई बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान के रूप में मिला।

मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के तहत ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेले गए तीन ओडीआई मैचों के बाद ये ताजा रैंकिंग जारी की गई है, जिसमें मंधाना (790 रेटिंग पॉइंट) ने साउथ अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट को पीछे छोड़ते हुए नंबर-1 पोजिशन हासिल कर ली है। मंधाना ने सीरीज के दौरान 58 और 31 रनों की अहम पारियां खेलीं, जिसने उन्हें रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा दिया। हालांकि, वोल्वार्ड्ट के पास मार्च-अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान फिर से नंबर-1 बनने का मौका रहेगा। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और एलिसा हीली को भी जबरदस्त फायदा हुआ है। टीम इंडिया के खिलाफ ओडीआई सीरीज के आखिरी मैच में शानदार शतक ठोकने के बाद दोनों बल्लेबाजों ने 2-2 पायदान की छलांग लगाई है। मूनी अब तीसरे जबकि इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के करीब पहुंची एलिसा हीली चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। हीली भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। तीन मैचों की ओडीआई सीरीज हारने के बावजूद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को रैंकिंग में फायदा हुआ। हरमनप्रीत 53, 54 और 25 रनों की पारियों के दम पर ओडीआई बल्लेबाजों की रैंकिंग में 4 स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गईं। ऐश गार्डनर ओडीआई ऑलराउंडर रैंकिंग में नंबर-1 बनी हुई हैं और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज दूसरे पायदान पर हैं। दोनों के बीच करीब 100 रेटिंग पॉइंट का अंतर हैं।

कीवी टीम को लगा तगड़ा झटका चोट के चलते भरोसेमंद बल्लेबाज बाहर

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे के खिलाफ ODI सीरीज से पहले न्यूजीलैंड महिला टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम की भरोसेमंद बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर कंधे की चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गई हैं। प्लिमर को यह चोट टी20आई सीरीज के दौरान ट्रेनिंग करते वक्त लगी थी, जिसके बाद वह दूसरे और तीसरे टी20आई मुकाबले में भी नहीं खेल पाई थीं। न्यूजीलैंड ने वह टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी।

प्लिमर की जगह युवा बल्लेबाज बेला जेम्स को ओडीआई टीम में बरकरार रखा गया है। जेम्स को तीसरे टी20 से पहले बल्लेबाज़ी कवर के रूप में बुलाया गया था और अब उन्हें आधिकारिक तौर पर ओडीआई स्क्वॉड में शामिल कर लिया गया है। जेम्स ने दिसंबर 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना ओडीआई डेब्यू किया था और उस सीरीज में दो मैच खेले थे। वह पिछले साल ODI वर्ल्ड कप टीम का भी हिस्सा थीं, हालांकि उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला था।

टीम के हेड कोच बेन सॉयर ने कहा कि जॉर्जिया हमारे टॉप ऑर्डर की अहम खिलाड़ी हैं और टीम में जो एनर्जी लाती हैं, वह हमारे लिए बहुत वेल्यूएबल है। उनका इस सीरीज में न खेल पाना निराशाजनक है। बेला शानदार क्रिकेटर हैं और लगभग 100 लिस्ट-ए मैच खेल चुकी हैं। उनका अनुभव टीम के लिए फायदेमंद रहेगा। न्यूजीलैंड ने ऑफ स्पिनर नेंसी पटेल और विकेटकीपर-बल्लेबाज इजी शार्प को भी ODI स्क्वॉड में शामिल किया है। दोनों खिलाड़ियों ने अभी तक ODI डेब्यू नहीं किया है। नेंसी पटेल ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके थे। वहीं इजी शार्प ने दो मुकाबलों में नाबाद 18 और नाबाद 22 रन बनाए। 5 मार्च से शुरू होने वाली तीन ODI मैचों की यह सीरीज 2025-2029 वूमेन्स चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा है।

यूएआई में बढ़ते तनाव का असर, इंग्लैंड लॉयन्स का दौरा रद्द, महिला टीम का ट्रेनिंग कैंप भी टला

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में अचानक बढ़े सैन्य तनाव का असर अब क्रिकेट पर भी साफ दिखाई देने लगा है। सुरक्षा हालात बिगड़ने के कारण इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड यानी ईसीबी ने बड़ा फैसला लेते हुए यूएआई में चल रहा इंग्लैंड लॉयन्स का दौरा रद्द कर दिया है। इसके साथ ही इंग्लैंड महिला टीम का प्रस्तावित ट्रेनिंग कैंप भी फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए एयर स्ट्राइक के बाद खाड़ी क्षेत्र में हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। इसी को देखते हुए ईसीबी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को सुरक्षित रूप से अबू धाबी से वापस ब्रिटेन लाने की कोशिशों में जुट गया है।इंग्लैंड लॉयन्सटीम में पाकिस्तान शाहीन के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज खेल रही थी। पांच यूएआई मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला रद्द करना पड़ा था। अब शेष तीनों मैचों को भी स्थगित कर दिया गया है।

इंग्लैंड महिला टीम जून-जुलाई में ब्रिटेन में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए अबू धाबी में कैंप लगाने वाली थी। लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए ईसीबी ने इसे भी रद्द कर दिया है। महिला टीम अक्टूबर में 2025 ओडीआई वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद से कोई मुकाबला नहीं खेली है। बोर्ड ने कहा है कि वह विकल्पों पर काम कर रहा है ताकि टीम की तैयारियों पर असर न पड़े।

ईसीबी के आधिकारिक बयान में कहा- इंग्लैंड लॉयन्स दौरे का शेष हिस्सा रद्द कर दिया गया है और हम सभी को जल्द से जल्द सुरक्षित घर वापस लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। गल्फ में अस्थिरता को देखते हुए इंग्लैंड महिला टीम का टी20 वर्ल्ड कप कैंप अबू धाबी में आयोजित नहीं किया जाएगा। हमने वैकल्पिक तैयारियों पर काम शुरू कर दिया है और नई योजना तय होते ही जानकारी साझा करेंगे। मिडिल ईस्ट में एयरस्पेस बंद होने से हजारों उड़ानें प्रभावित हुई हैं। मेन्स टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के बाद भारत से जिम्बाब्वे टीम की वापसी में भी देरी हुई है। वहीं, वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने भी बताया कि उनकी टीम के खिलाड़ी अंतिम मैच के बाद वहीं रुके रहने को मजबूर हैं।

पीवी सिंधू भारत लौटी, दुबई एयरपोर्ट स्टाफ का शुक्रिया अदा किया

नई दिल्ली। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। पिछले कुछ दिनों से दुबई में फंसी पीवी सिंधू सही सलामत भारत लौट आई हैं। सिंधू ने एक्स पर पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। सिंधू ने कहा कि वह बैंगलोर में अपने घर वापस आ गई हैं और सुरक्षित हैं। सिंधू ने अपनी पोस्ट में लिखा- सही सलामत घर वापस आ गई हूं। पिछले कुछ दिन बहुत मुश्किल और अनिश्चित रहे, लेकिन अब अपने घर वापस आकर सच में सभी की शुक्रगुजार हूं। सिंधू ऑल इंग्लैंड ओपन के लिए बर्मिंघम जा रही थी कि तभी इजरायल और स् ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। अब भारत लौटने के साथ ही सिंधू का ऑल इंग्लैंड ओपन में खेलने का सपना टूट गया है।

उन्होंने दुबई एयरपोर्ट स्टाफ का आभार जताते हुए कहा कि जबरदस्त ग्राउंड टीम, दुबई अथॉरिटी, एयरपोर्ट स्टाफ, इमिग्रेशन और हर उस इंसान का दिल से शुक्रिया जिन्होंने इस मुश्किल समय में आगे आकर हमारी इतनी अच्छी देखभाल की। ये हमदर्दी और प्रोफेशनलिज्म शब्दों से कहीं ज्यादा मायने रखता है। अभी के लिए, आराम करने, खुद को रीसेट करने और अगले कदम तय करने का समय है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

0 भारत के पास सिर्फ 25 दिन का तेल बचा:....

मौजूदा तनाव के कारण जहाजों के रूट बदलने पड़ रहे हैं, जिससे ट्रांजिट टाइम बड़ गया है। इसके अलावा, माल ढुलाई और इंश्योरेंस की लागत में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। सरकार ने एक्सपोर्टर्स और इंपोर्टर्स के लिए डॉक्यूमेंटेशन और पेमेंट प्रोसेस को आसान बनाने और कार्गो मूवमेंट में देरी को कम करने पर जोर दिया है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का करीब 85त्न इंपोर्ट करता है, जिसमें से एक बड़ा हिस्सा पश्चिम एशियाई देशों से आता है। यही वजह है कि इस क्षेत्र में होने वाली किसी भी हलचल का सीधा असर भारत की इकोनॉमी और एनर्जी सिक्योरिटी पर पड़ता है। सरकार अब रूस और अन्य अफ्रीकी देशों जैसे वैकल्पिक रास्तों पर फोकस बढ़ा रही है ताकि किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता कम की जा सके।

एक दिन पहले ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया था कि ईरान-इजराइल के बीच जंग और तेल की सप्लाई चेन प्रभावित होने के बाद भारत ने एक बार फिर रूस की ओर रुख किया है। भारत अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाने का प्लान बना रहा है। स्ट्रैट ऑफ होर्मुज के जरिए होने वाली तेल की सप्लाई लगभग ठप हो गई है, जिसके चलते सरकारी रिफाइनरीज और पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने दिल्ली में एक इमरजेंसी मीटिंग कर विकल्प तलाशने शुरू कर दिए हैं।

0 सोनिया बोलीं-खामेनेई की हत्या पर भारत.....

जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, मारे जाने पर दुनियाभर में नाराजगी है। ग्लोबल साउथ के कई देशों और ब्रिक्स के साझेदार रूस व चीन ने इस मामले में दूरी बनाए रखी है। ऐसे समय में भारत का खुला समर्थन, बिना साफ नैतिक रुख के, गलत संदेश दे सकता है। सोनिया गांधी के अनुसार, इसका असर सिर्फ क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दुनिया भर में दिखेगा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ईरान की जमीन पर हुई बमबारी और टारगेट किलिंग की साफ निंदा करती है। ये क्षेत्र और दुनिया के लिए खतरनाक कदम है। पार्टी की ईरान की जनता और दुनिया भर के शिया समुदाय के प्रति संवेदनाएं हैं। भारत के संविधान के अनुच्छेद 51 में कहा गया है कि देशों के बीच विवाद बातचीत से सुलझाए जाने चाहिए, सभी देशों की बराबरी का सम्मान होना चाहिए और किसी के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। ये सिद्धांत लंबे समय से भारत की विदेश नीति का आधार रहे हैं। मौजूदा चुप्पी इन सिद्धांतों से मेल नहीं खाती। सोनिया गांधी ने कहा कि 1994 में OIC के कुछ देशों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ प्रस्ताव लाने की कोशिश की थी। उस समय ईरान ने अहम भूमिका निभाकर उसे रुकवाया, जिससे कश्मीर मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं पहुंच सका।

ईरान ने पाकिस्तान सीमा के पास ज़ाहेदान में भारत को कूटनीतिक मौजूदगी की अनुमति दी, जो ग्वादर पोर्ट और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के संतुलन के लिहाज से महत्वपूर्ण है। अप्रैल 2001 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने तेहरान दौरे में दोनों देशों के गहरे संबंधों को दोहराया था।

0 महायुद्ध: लेबनान में घुसी इजरायली सेना....

एक सैन्य ठिकाने पर ड्रोन और मिसाइलें दागी थीं, जिसके जवाब में इजरायल ने यह बड़ी कार्रवाई शुरू की है।

सोमवार को हुए हमलों और सीमा पर जारी मुठभेड़ में अब तक 50 से अधिक लोगों की जान जाने की खबर है, जबकि 150 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। इजरायली आर्मी का कहना है कि उनका लक्ष्य केवल हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को नष्ट करना है ताकि अपनी सीमा को सुरक्षित किया जा सके।

0 12 बम की ई-मेल धमकी से दहला रायपुर....

आधार पर भेजने वाले की पहचान करने की प्रक्रिया जारी है। घटना के बाद कुछ समय तक कार्यालय का कामकाज प्रभावित रहा, लेकिन जांच पूरी होने के बाद स्थिति सामान्य कर दी गई। पुलिस का कहना है कि आरोपित की पहचान होते ही उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

0 अमेरिका-इस्राइल-ईरान टकराव पर भारत की नजर....

समय-समय पर एडवाइजरी जारी कर रहे हैं।सरकार ने साफ किया कि भारत की व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला इसी क्षेत्र से गुजरती है। किसी भी बड़े व्यवधान का भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। भारत ने समुद्री व्यापारिक जहाजों पर हमलों का भी विरोध किया है। विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि भारत संवाद और कूटनीति के जरिए समाधान का समर्थक है। संघर्ष को जल्द समाप्त करने की अपील की गई है। इस बीच कांग्रेस और विपक्षी दलों ने सरकार के रुख पर सवाल उठाए हैं, लेकिन कई विशेषज्ञों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने सतर्क और संतुलित रुख अपनाया है।

0 ईरान बातचीत करना चाहता है.....

सरकार मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिकी बलों के लिए खतरा बन चुकी थी. ईरान अपने पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम का तेजी से विस्तार कर रहा था. ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान के पास पहले से ही ऐसे मिसाइलें मौजूद थी, जो यूरोप और विदेशों में स्थित अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना सकती हैं. उन्होंने कहा कि ईरान जल्द ही मिसाइलें बना लेता जो सीधे अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम होती. बता दें कि इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि अमेरिकी सेना ने ईरान को हिलाकर रख दिया है. उस पर जबरदस्त हमले किए जा रहे हैं लेकिन अभी तो बड़े हमले होना बाकी है. ट्रंप ने सीएनएन को दिए इंटरव्यू में कहा था कि हम उन्हें (ईरान) बुरी तरह कुचल रहे हैं. हमारा ज्वॉइंट ऑपरेशन सही तरीके से आगे बढ़ रहा है. अमेरिका की सेना दुनिया की सबसे बड़ी और ताकतवर सेना है और हम बखूबी इसका इस्तेमाल कर रहे हैं.

0 बीजेपी ने जारी की 9 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट.....

अपने प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल को राज्यसभा का टिकट दिया है, जिनकी देखरेख में पार्टी ने 2024 के चुनावों में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। ओडिशा से दूसरे उम्मीदवार सुजीत कुमार हैं, जो हाल ही में बीजू जनता दल का साथ छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। पश्चिम बंगाल की बात करें तो पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है, जिन्होंने बंगाल में बीजेपी के जमीनी आधार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

0 असम और छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान

असम से पार्टी ने दो मौजूदा विधायकों को राज्यसभा भेजने का फैसला किया है, जिनमें दुलियाजान से विधायक तेरस गोवाला और महमारा से विधायक तथा कैबिनेट मंत्री जोगेन मोहन के नाम शामिल हैं। तेरस गोवाला असम के चाय बागान समुदाय के एक प्रभावशाली नेता हैं। छत्तीसगढ़ से पार्टी ने लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया है, जो वर्तमान में प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। लक्ष्मी वर्मा का चयन पार्टी द्वारा 'मातृशक्ति' को सशक्त करने और राज्य के सामाजिक समीकरणों को संतुलित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

0 सांगठनिक वफादारी और जीत की क्षमता का मिश्रण

बीजेपी की इस पहली सूची से स्पष्ट है कि पार्टी ने उन नेताओं को पुरस्कृत किया है जिन्होंने संगठन को मजबूत करने में लंबा समय दिया है। सूची में शामिल अधिकांश नाम ऐसे हैं जिन्होंने पिछले चुनावों में या तो खुद बड़ी जीत दर्ज की है या पार्टी की जीत की रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाई है। राज्यसभा की कुल 37 सीटों पर चुनाव होने हैं, जिनमें से बीजेपी ने फिलहाल सिर्फ 9 नामों का ही ऐलान किया है, जिससे बाकी सीटों के लिए सस्पेंस बरकरार है।

खामेनेई की मौत पर मोदी को स्पष्ट बोलना चाहिए- राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि ईरान में लगातार गंभीर हो रहे हालात और उसके सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई की मौत लक्ष्य कर की गई हत्या है और हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस पर अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि युद्ध के कारण जो हालात ईरान तथा अन्य खाड़ी देशों में बन रहे हैं उसे देखते हुए भारत को स्पष्ट नीति का पालन करना चाहिए। उनका कहना था कि ईरान और अमेरिका तथा इजरायल के बीच लगातार बढ़ रहे संघर्ष के कारण खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों के सामने भी अनिश्चितता का संकट पैदा हो गया है। श्री गांधी ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव एक नाजुक क्षेत्र को व्यापक संघर्ष की तरफ धकेल रहा है। इस वजह से खाड़ी देशों में रहने वाले करीब एक करोड़ भारतीयों के साथ ही असंख्य लागों को अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। उन्होंने सुरक्षा संबंधी चिंताओं को स्वाभाविक बताया लेकिन कहा कि संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमले संकट को और भी गंभीर बना देंगे। ईरान पर एकतरफा हमलों के साथ ही ईरान द्वारा पश्चिम एशिया के कई देशों पर किए जा रहे हमले, दोनों की निंदा की जानी चाहिए। उनका कहना था कि हिंसा ही हिंसा को जन्म देती है इसलिए संवाद और संयम ही शांति का एकमात्र मार्ग है।

रायपुर में 4 एवं 5 अप्रैल को होगा समाज का परिचय सम्मेलन, अग्र मंथन व अग्र धरोहर भी

माई की नगरी डोंगरगढ़ में हुई संगोष्ठी

डोंगरगढ़ (दावा)।स्थानीय स्वागतम लाज में अग्रवाल सभा रायपुर के तत्वाधान में चार व पांच अप्रैल को आयोजित परिचय सम्मेलन की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। अग्रवाल सभा डोंगरगढ़ द्वारा आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता अग्रवाल समाज रायपुर के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में किशन अग्रवाल मनमोहन अग्रवाल सतपाल जैन विशंभर अग्रवाल डॉक्टर नीरज अग्रवाल मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल एवं स्थानीय संरक्षक हुकुमचंद अग्रवाल सिद्ध गोपाल नरेडी लक्ष्मी नारायण अग्रवाल मंचस्थ थे।

बैठक को संबोधित करते हुए अतिथियों ने समाज की पुरानी परंपरा के अनुरूप सामूहिक विवाह के लिए परिचय सम्मेलन आयोजित करने पर बल दिया। अग्रवाल सभा रायपुर के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान परिवेश में हमें एक दूसरे से ज्यादा परिचित एवं ज्यादा सामाजिक होना चाहिए सभी सामाजिक बुराइयों के पीछे कुछ महत्वपूर्ण कारण होते हैं समाज द्वारा समाज के लिए किये जा रहे प्रयासों के प्रति हमारा दृष्टिकोण बदलना जरूरी है। अग्रवाल समाज एक प्रगतिशील समाज है जो अपने बच्चों को देश-विदेश भेजकर अच्छी ऊंची शिक्षा तो दे रहा है। किंतु अपने रीति रिवाज एवं परंपराओं का संवर्धन व संरक्षण भी आवश्यक है। अविवाहित रहना या देर से विवाह करना अंतर्जातीय विवाह करना जैसी स्थितियां एवं कठिनाइयों से समाज गुजर रहा है उन्होंने बताया कि परिचय सम्मेलन कोई विवाह का मंच नहीं है पर यह निश्चित रूप से हमारे लिए हमारे बच्चों के लिए समाज से परिचय का अवसर प्रदान करना मात्र है। उन्होंने कहा कि हम एक वाक्य जो सूत्र के रूप में वर्णित है परिचय होगा तो संबंध भी होंगे को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

अग्र धरोहर एवं अग्र मंथन का कार्यक्रम आयोजित

बताया गया कि इस दौरान अग्र धरोहर एवं अग्र मंथन का कार्यक्रम भी होगा। अग्र धरोहर में छत्तीसगढ़ महतारी के लिए समाज के द्वारा किए गए कार्य कर्तव्य एवं प्रयास का उल्लेख होगा इसके लिए संपूर्ण प्रदेश से सुझाव बुलाये जा रहे हैं सामाजिक सेवा कार्यों की संपूर्ण जानकारी भी एकत्र की जा रही है।

महादान : विदा होते-होते दो जिंदगियों को रौशन कर गए दिनेश जैन

दुर्ग (दावा)। जाते-जाते भी किसी की दुनिया को रोशन कर जाना ही सच्ची मानवता है। इस उक्ति को दुर्ग के मधुबन नगर निवासी स्व. दिनेश कुमार जैन के परिवार ने चरितार्थ कर दिखाया है। प्रतिष्ठित समाजसेवी दिनेश कुमार जैन के आकस्मिक निधन के पश्चात उनके परिजनों ने गहरे शोक की घड़ी में भी धैर्य का परिचय देते हुए उनके नेत्रदान का साहसिक निर्णय लिया।

इस पुनीत कार्य से अब दो दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में उजाला हो सकेगा। दिनेश कुमार जैन के निधन के बाद उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बबिता जैन, पिता शांतिलाल गोधा, पुत्र साहिल व डॉ. राहिल जैन, पुत्री खुशबू तथा भाइयों की सहमति से नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण की गई। डॉ. राहिल जैन ने भावुक होते हुए कहा कि पिताजी का जाना अपूरणीय क्षति है, किंतु समाजहित को सर्वोपरि रखते हुए हमने यह निर्णय लिया। हमारे परिवार में पूर्व में भी नेत्रदान की परंपरा रही है। हमें गर्व है कि पिताजी की स्मृतियां अब किसी की आंखों के जरिए जीवित रहेंगी।

नवदृष्टि फाउंडेशन और शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज का सहयोग

नेत्रदान की इस पुनीत प्रक्रिया में नवदृष्टि फाउंडेशन की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फाउंडेशन के कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, चेतन जैन और सपन जैन ने निवास पहुंचकर व्यवस्थाएं संभालीं। श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज की टीम, जिसमें डॉ. श्रीया पंजवानी, डॉ. नीलांजना टोप्पो, डॉ. विधि अग्रवाल, डॉ. विनम्र झा और नेत्र प्रभारी विवेक कसार शामिल थे। उन्होंने ससम्मान कॉर्निया संकलित किए। नेत्रदान की प्रक्रिया के दौरान मधुबन नगर स्थित निवास पर बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। नवदृष्टि फाउंडेशन के अनिल बल्लेवार, रितेश जैन, राजेश पारख और अन्य सदस्यों ने स्व. दिनेश जैन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जैन परिवार के इस महान निर्णय की सराहना की। उपस्थित जनों ने कहा कि कम उम्र में दिनेश जी का जाना समाज के लिए बड़ी हानि है, लेकिन उनका यह अंतिम दान समाज में अंगदान और नेत्रदान के प्रति जागरूकता पैदा करेगा।

खैरागढ़ महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने जाना जल प्रबंधन और प्राकृतिक विरासत का महत्व

प्राणिशास्त्र विभाग का शैक्षणिक भ्रमण : गंगरेल बांध से लेकर सियादेवी तक का किया अवलोकन, व्यावहारिक ज्ञान से हुए रूबरू

खैरागढ़ (दावा)। रानी राशि देवी सिंह शासकीय महाविद्यालय खैरागढ़ के प्राणिशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों को प्राचार्य डॉ. ओ.पी. गुप्ता के मार्गदर्शन में शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित विषयों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक विरासत से परिचित कराना था।

भ्रमण की शुरुआत बिलाई माता मंदिर से की गई। जहां विद्यार्थियों ने मंदिर के धार्मिक महत्व एवं स्थापत्य कला के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात विद्यार्थियों को अंगार मोती क्षेत्र ले जाया गया। जहां प्राकृतिक जलस्रोत, पहाड़ी संरचना एवं पर्यावरणीय संतुलन के महत्व पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों ने प्रकृति संरक्षण एवं जल संरक्षण के विषय में भी जानकारी ली। अगले पड़ाव के रूप में विद्यार्थियों ने झलमला क्षेत्र का भ्रमण किया। जहां स्थानीय संस्कृति, परंपराओं एवं सामाजिक जीवन के बारे में अवगत कराया गया। प्राध्यापकों ने बताया कि इस प्रकार के भ्रमण से विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता एवं स्थानीय इतिहास के प्रति रुचि बढ़ती है। इसके बाद विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गंगरेल (रविशतंकर सागर बांध) का अवलोकन किया। यहां विद्यार्थियों को बांध की संरचना, जल प्रबंधन प्रणाली, विद्युत उत्पादन एवं सिंचाई व्यवस्था की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने जाना कि यह परियोजना राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

भ्रमण के अंतिम चरण में विद्यार्थियों को सीतादेवी मंदिर ले जाया गया। जहां धार्मिक एवं पौराणिक महत्व की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने दर्शन कर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया तथा भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं की महत्ता को समझा। इस पूरे शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ संबंधित विभाग के प्राध्यापकगण खेमपाल, निशा दुबे उपस्थित रहे। जिन्होंने प्रत्येक स्थल पर विषय से संबंधित जानकारी दी। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं तथा उन्हें पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक अनुभव भी प्रदान करते हैं। भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष खुशबू सिन्हा, नियति सिंह, रोशनी वर्मा, रोशनी देवांगन, आरती वर्मा, डिंपल देवांगन, नेहल सोनी, चंचल जोशी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुंडरदेही में उत्साह : विधायक भोलाराम साहू ने किया आदिवासी सामुदायिक भवन का लोकार्पण

जोंधरा (दावा)। विकासखंड छुरिया के ग्राम पंचायत गुंडरदेही-गिदर्री में विकास और उल्लास का दोहरा संगम देखने को मिला। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के विधायक भोलाराम साहू ने यहाँ नवनिर्मित आदिवासी सामुदायिक भवन का विधिवत लोकार्पण किया। इस गरिमामय अवसर को विधायक के जन्मदिन के रूप में भी मनाया गया।

जहां क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं ने आत्मीय स्वागत के साथ उनका अभिनंदन किया। लोकार्पण के पश्चात अपने संबोधन में विधायक भोलाराम साहू ने कहा कि यह सामुदायिक भवन क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र साबित होगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, जनता का स्नेह ही मेरी ऊर्जा है और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही मेरा मुख्य लक्ष्य है।

खेलों से बढ़ता है आत्मविश्वास- विधायक

कार्यक्रम के दौरान आयोजित खेल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विधायक ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया। युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया।

लोकार्पण समारोह के बाद विधायक के जन्मदिन पर केक काटकर हर्षोल्लास मनाया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों, समाज प्रमुखों और ग्रामीणों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्रीमती अंजली घावड़े, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रताप घावड़े, सरपंच श्रीमती उमा सिंह, आदिवासी ध्रुव गोंड समाज के अध्यक्ष गणेश कुंजाम, कृष्णा कुंजाम, गैंदलाल कुंजाम, बलदेव पडौटी, श्रवण मंडावी सहित बड़ी संख्या में पंचगण और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एमएसएमई और कैट के संयुक्त तत्वावधान में 'प्रोक्योरमेंट एवं मार्केटिंग सपोर्ट' पर सेमिनार 6 को

राजनांदगांव (दावा)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को आधुनिक बाजार की चुनौतियों के लिए तैयार करने और सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिलाने के उद्देश्य से राजनांदगांव में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन होने जा रहा है।

एमएसएमई विकास संस्थान रायपुर तथा कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 6 मार्च को 'प्रोक्योरमेंट एवं मार्केटिंग सपोर्ट' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया है। यह कार्यक्रम स्थानीय एबिस ग्रीन में शाम 5 बजे से प्रारंभ होगा।

एबिस ग्रीन में जुटेगी व्यापारिक हस्तियां : पैकेजिंग, ब्रांडिंग और जेम पोर्टल के माध्यम से सरकारी खरीदी की मिलेगी जानकारी

आयोजन का मुख्य केंद्र स्थानीय व्यापारियों, सूक्ष्म इकाइयों और विशेष रूप से महिला उद्यमियों को डिजिटल और सरकारी प्लेटफॉर्म से जोड़कर उनके व्यवसाय को नई गति प्रदान करना है।

इन प्रमुख विषयों पर केंद्रित रहेगा सेमिनार

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा उद्यमियों को निम्नलिखित तकनीकी एवं व्यवहारिक जानकारियां दी जाएंगी। उत्पाद को आकर्षक और वैश्विक स्तर का बनाने के गुर, आधुनिक डिजिटल माध्यमों से व्यापार का विस्तार, सरकारी विभागों में सीधे सामान बेचने (शासकीय खरीदी) की प्रक्रिया, स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने की संभावनाएं, समूहों में काम कर सरकारी सुविधाओं का लाभ लेना आदि है। आयोजक संस्था के राजू डागा ने जिले के समस्त व्यापारी बंधुओं और महिला उद्यमियों से इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह सेमिनार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में स्थानीय व्यापारियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी मीडिया प्रभारी लक्ष्मण लोहिया ने साझा की।

होली आपसी प्रेम और भाईचारे का पर्व : दीपेश शेंडे

भाजपा अजा मोर्चा जिला महामंत्री ने दी होली की शुभकामनाएं, बुराई पर अच्छाई की जीत का बताया प्रतीक

राजनांदगांव (दावा)। रंगों का पावन पर्व होली हर आयु वर्ग के लिए खुशियों की नई सौगात लेकर आता है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला महामंत्री दीपेश शेंडे ने समस्त जिलेवासियों को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। अपने संदेश में श्री शेंडे ने कहा कि होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि यह आपसी प्यार, अपनापन और भाईचारे का संदेश देने वाला महापर्व है।

उन्होंने कहा कि पूरे साल लोग इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं क्योंकि यह वह अवसर है जब दोस्त, परिवार और रिश्तेदार पुराने मनमुटाव भूलकर एक-दूसरे को गले लगाते हैं और रिश्तों में नई मिठास घोलते हैं। पंचांग का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 2 मार्च को होलिका दहन के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का संकल्प लिया जाएगा। इसके पश्चात 4 मार्च को धुलेंडी (रंगों वाली होली) हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। उन्होंने लोगों से सुरक्षित और मर्यादित तरीके से होली खेलने की अपील की है।

गेमू कुंजाम बने भाजपा उत्तर मंडल अनुसूचित जनजाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष

राजनांदगांव (दावा)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला और मंडल राजनांदगांव की कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, संगठन मंत्री पवन कुमार साय, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत की अनुशंसा से अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष गोपाल सिंह भूआर्य ने शुक्रवार को अपनी टीम घोषित की। जिसमें गेमु लाल कुंजाम को अनुसूचित जनजाति मोर्चा का उत्तर मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया हैं। राजनांदगांव जिले के आदिवासी नेता गेमु लाल कुंजाम जी को भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष का बहुत बड़ी जिम्मेदारी मिली है।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष गोपाल सिंह भूआर्य, भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत और उत्तर मंडल अध्यक्ष सुमित सिंह भाटिया का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया है। गेमु लाल कुंजाम को उत्तर मंडल अनुसूचित जनजाति मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर राजनांदगांव जिले और प्रदेश के समाज प्रमुखों और महिला पुरुष बच्चों में खुशी व्याप्त है। श्री कुंजाम ने अपने नियुक्ति पर भाजपा प्रदेश संगठन, जिला नेतृत्व एवं मंडल पदाधिकारियों के वरिष्ठ नेताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि मुझ जैसे छोटे से कार्यकर्ता को भारतीय जनता पार्टी, अनुसूचित जनजाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष के रूप में सेवा करने का अवसर प्रदान किया है। इस दायित्व का मैं पूरी निष्ठा, समर्पण के साथ निर्वहन करूंगा।

इस अवसर पर राजनांदगांव विधायक और लाडले डॉक्टर रमन सिंह, सांसद संतोष पांडे, महापौर मधुसूदन यादव, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल आयोग अध्यक्ष नीलू शर्मा, कर्मकार मंडल अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि संतोष अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश पटेल, जिला महामंत्री सौरभ कोठारी, डिगेश साहू जी,पारस वर्मा, सावन वर्मा, राजेश श्यामकर आदि सभी ने बधाई प्रेषित की हैं।

कृषक उन्नति योजना से अंतर की राशि मिलने पर किसान हेमंत वर्मा को नया घर बनाने में मिलेगी मदद

कृषक उन्नति योजना ने किसानों के खेती-किसानी कार्य में किया सुधार - किसान हेमंत वर्मा

कृषक उन्नति योजना से अंतर की एकमुश्त राशि मिलने पर किसान हेमंत वर्मा ने जाहिर की खुशी

राजनांदगांव (दावा)। राज्य शासन की कृषक उन्नति योजना किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत धान विक्रय करने वाले किसानों को समर्थन मूल्य के अतिरिक्त अंतर की राशि प्रदान की है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

जिला स्तरीय कृषक उन्नति योजना अंतर्गत गांधी सभागृह राजनांदगांव में आयोजित आदान सहायता राशि वितरण समारोह कार्यक्रम में पहुंचे राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मुरमुंदा निवासी किसान श्री हेमंत वर्मा के मोबाईल में अंतर राशि का मोबाईल में मैसेज मिलने पर अपनी हार्दिक खुशी जाहिर की। किसान श्री हेमंत ने बताया कि उन्होंने समर्थन मूल्य पर साढ़े 53 क्विंटल धान का विक्रय किया था। शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत अंतर की एकमुश्त राशि 39 हजार 181 रूपए सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से जमा की गई है। राशि प्राप्त होने से किसान ने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि इस सहायता से उन्हें नया घर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष एकमुश्त राशि मिलने पर उन्हें खेती-किसानी के सुधार कार्यों में काफी सुविधा मिली थी।

किसान हेमंत वर्मा ने कहा कि पहले खेती के लिए आर्थिक व्यवस्था करना कठिन होता था, लेकिन अब शासन की योजनाओं से समय पर आर्थिक सहयोग मिल रहा है, जिससे खेती में सुधार और घरेलू खर्च आसान हो गया है। उन्होंने शासन की इस पहल के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि कृषक उन्नति योजना किसानों के लिए बहुत उपयोगी योजना साबित हो रही है।

कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल रहा है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है और खेती के प्रति उत्साह भी बढ़ा है। यह योजना किसानों के जीवन स्तर को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

छुरिया विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों के लिए 17 लाख 20 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृत

राजनांदगांव (दावा)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत छुरिया विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों के लिए 17 लाख 20 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत टिपानगढ़ में शेड निर्माण कार्य के लिए 5 लाख रूपए, ग्राम कल्लूबंजारी में रंग मंच निर्माण के लिए 5 लाख रूपए, ग्राम मेटेपार में रंग मंच निर्माण के लिए 2 लाख रूपए, ग्राम टिपानगढ़ में सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख 20 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। सीईआ जिला पंचायत ने निर्माण एजेंसियों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए है।

संस्कार सिटी कॉलेज में होली का उल्लास रंगों और भजनों के बीच बिखरीं खुशियां

ठाकुरटोला कैंपस में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर खेला फाग, प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर ने दिया एकता का संदेश

राजनांदगांव (दावा)। संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ठाकुरटोला राजनांदगांव में होली का त्योहार धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। महाविद्यालय का परिसर रंग-बिरंगे गुलाल और मुस्कान से सजा हुआ था।

जहां विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर एकता और भाईचारे का परिचय दिया। इस खास अवसर पर कॉलेज की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) गुरप्रीत कौर ने सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकगण को होली के रंगों से प्रेम, एकता और सौहार्द का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि होली का त्योहार हम सबको जीवन में सद्भावना, प्रेम और भाईचारे की महत्वपूर्णता समझाता है। महाविद्यालय के विद्यार्थियों और स्टाफ ने मिलकर इस पर्व को एक परिवार की तरह मनाया। यह उत्सव न केवल रंगों और खुशी का था। बल्कि यह एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है। जिससे महाविद्यालय का माहौल और भी जीवंत हो उठा। प्राचार्य ने यह भी कहा कि होली हमें यह सिखाती है कि जीवन में प्रेम और एकता के रंग हमेशा बने रहना चाहिए और हम सभी मिलकर समाज में खुशियों का प्रकाश फैलाएं। संस्कार सिटी कॉलेज परिवार की ओर से सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं। इस रंगीन पर्व से आपके जीवन में खुशियां, समृद्धि और नई ऊर्जा का संचार हो।

वन विभाग की लापरवाही से कंडरा समुदाय के सामने आर्थिक संकट, अवैध बांस कारोबार को मिल रहा संरक्षण

डोंगरगढ़ (दावा)। वनांचल क्षेत्रों में बांस शिल्प पर निर्भर कंडरा समुदाय आज सरकारी उपेक्षा और विभाग की कथित सांठगांठ के कारण दाने-दाने को मोहताज हो रहा है। डोंगरगढ़ और एल.बी. नगर क्षेत्र के दर्जनों परिवारों को सीजन के समय पर बांस उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। दूसरी ओर रसूखदार ठेकेदार जिम्मेदार अधिकारियों के संरक्षण में खुलेआम बांस का अवैध कालाबाजारी कर रहे हैं।

सरकारी डिपो खाली, ठेकेदारों के पास हरे बांस का अंबार

कंडरा समुदाय का आरोप है कि वन विभाग बांस की किल्लत का बहाना बनाकर उन्हें आपूर्ति नहीं कर रहा है, जबकि क्षेत्र में बांस के अवैध व्यापारी बड़ी मात्रा में हर साइज का बांस बेच रहे हैं। देवकट्टा नाला पुल के पास एक ठेकेदार द्वारा मुख्य मार्ग के किनारे लगभग दो एकड़ जमीन पर अवैध रूप से बांस का भंडारण किया गया है। ताज्जुब की बात यह है कि सरकारी डिपो में बांस नहीं है, लेकिन यहाँ जंगल से काटकर लाए गए हरे बांस और बांस काटने की इलेक्ट्रिक मशीनें धड़ल्ले से चल रही हैं।

सूत्रों के अनुसार अवैध भंडारण स्थल पर इलेक्ट्रिक मशीनें चलाने के लिए अवैध बिजली कनेक्शन का उपयोग किया जा रहा है। जिससे बिजली विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। यह अवैध कारोबार विगत कई वर्षों से बिना किसी रोक-टोक के जारी है। नियमानुसार सरकारी डिपो से केवल टुकड़ा बांस की नीलामी होती है, लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत से जंगल के कीमती बांसों को ऊंचे दामों पर खुले बाजार में खपाया जा रहा है।

अधिकारियों का पक्ष : आश्वासन और तकनीकी बहाने

मामले में जब एल.बी. नगर बांस डिपो के प्रभारी रोशन खान से चर्चा की गई, तो उन्होंने बताया कि तकनीकी कारणों से सोमवार को अछोली डिपो से बांस का उठाव नहीं हो सका। एक-दो दिन के भीतर कंडरा परिवारों को बांस उपलब्ध करा दिया जाएगा। हालांकि जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। अछोली काष्ठागार से होने वाली नीलामी और चौथना, ढारा, रानीगंज जैसे डिपो से होने वाली आपूर्ति में पारदर्शिता की कमी साफ नजर आ रही है। व्यापार के मुख्य सीजन में कच्चे माल (बांस) की कमी ने पारंपरिक शिल्पकारों की कमर तोड़ दी है। समुदाय ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बांस की आपूर्ति सुचारू नहीं हुई और अवैध कारोबारियों पर नकेल नहीं कसी गई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

अस्पताल के बेड से भी राजनांदगांव के विकास की चिंता : डॉ. रमन सिंह बोले- स्वयं के स्वास्थ्य लाभ से ज्यादा विकास कार्यो से मिलती है खुशी

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष और राजनांदगांव के विधायक डॉ. रमन सिंह इन दिनों स्लिप डिस्क के ऑपरेशन के बाद कोयंबटूर में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। शारीरिक अस्वस्थता के बावजूद उनके मन में अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास की चिंता सर्वोपरि है। मंगलवार को जब जिले के भाजपा नेताओं ने उनसे सौजन्य भेंट की तो डॉ. सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें अपने स्वास्थ्य से ज्यादा क्षेत्र के विकास कार्यों की प्रगति सुनकर प्रसन्नता होती है। मुलाकात के दौरान जब डॉ. रमन सिंह को जानकारी दी गई कि राजनांदगांव शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना मद से 14 विभिन्न कार्यों के लिए 10 करोड़ 38 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई है तो उनके चेहरे पर संतोष के भाव देखे गए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के लिए इन कार्यों की बहुत आवश्यकता थी। उन्होंने जिले वासियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि वे सतत रूप से विकास कार्यों की सफलता के लिए प्रयासरत रहते हैं।

जिले के नेताओं ने जाना कुशलक्षेम

भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल, मूलचंद भंसाली एवं जिला मीडिया प्रभारी अमर लालवानी ने कोयंबटूर पहुंचकर डॉ. सिंह से मुलाकात की। नेताओं ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और जिले की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों तथा संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. रमन सिंह ने अस्पताल से ही जिले के नागरिकों को होली पर्व की आत्मीय शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे शीघ्र पूर्णतः स्वस्थ होकर वापस लौटेंगे और पूरी सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए विकास कार्यों को नई गति देंगे। श्री राजपूत ने कहा कि डॉ. रमन सिंह का मार्गदर्शन हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है। जिले को प्राप्त भारी-भरकम बजट के लिए हम उनके आभारी हैं और सभी कार्यकर्ता उनकी शीघ्र वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

शीतला पारा में जलभराव की समस्या का समाधान : महापौर की समझाईश पर खुला निजी प्लॉट, होगी नाली निर्माण की पहल

राजनांदगांव (दावा)। वार्ड क्रमांक 49, मोहड़ के शीतला पारा में लंबे समय से चली आ रही पानी निकासी की गंभीर समस्या का आखिरकार समाधान हो गया। महापौर मधुसूदन यादव की व्यक्तिगत पहल और प्रशासन की सख्ती के बाद निजी प्लॉट का रास्ता खोलकर जल निकासी कराई गई। महापौर ने क्षेत्रवासियों को आश्वासन दिया है कि होली के पश्चात यहां पक्की नाली का निर्माण कर समस्या का स्थाई निराकरण किया जाएगा। शीतला पारा के अंतिम छोर पर एक निजी रिक्त भूमि (प्लॉट) होने के कारण मोहल्ले के पानी की निकासी में बाधा आ रही थी। प्लॉट मालिक द्वारा निकासी द्वार बंदकर दिए जाने से पूरे क्षेत्र में जलभराव की स्थिति निर्मित हो रही थी। जिससे स्थानीय निवासी बेहद परेशान थे। नगर निगम और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर भू-मालिक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन सहमति न बनने पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए महापौर मधुसूदन यादव स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने भूमि स्वामी से चर्चा कर उन्हें जनहित में सहयोग करने की समझाइश दी। महापौर ने स्पष्ट किया कि जल निकासी न होने से पूरे मोहल्ले में बीमारी और गंदगी का खतरा बढ़ रहा है। उनके हस्तक्षेप के बाद भू-मालिक ने पानी निकासी के लिए अपनी सहमति प्रदान की। महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि होली के त्यौहार के बाद इस क्षेत्र में नाली निर्माण का कार्य शुरू कराया जाएगा। पक्की नाली बनने से निजी भूमि में पानी नहीं भरेगा और वार्डवासियों को भी स्थाई रूप से इस समस्या से निजात मिल जाएगी। सहमति मिलते ही नगर निगम के अमले ने जेसीबी के माध्यम से तत्काल जल निकासी का रास्ता साफ किया, जिससे जमा हुआ पानी बाहर निकल सका। इस दौरान वार्ड पार्षद संजय रजक, कार्यपालन अभियंता दीपक खाण्डे, प्र. सहायक अभियंता गरिमा वर्मा, उप अभियंता ज्योति साहू और बसंतपुर थाना प्रभारी एमन साहू सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित थे। इस अवसर पर वार्ड की सीमा साहू, आरती साहू, राजेश्वरी साहू, पूर्णिमा साहू, रेवती निषाद, ममता निषाद, प्रेमचंद निषाद और सोमन साहू सहित अनेक मोहल्ला वासियों ने प्रशासन की इस कार्यवाही पर राहत की सांस ली।

जितेंद्र मुदलियार होंगे छत्तीसगढ़ से राज्यसभा उम्मीदवार

राजनांदगांव (दावा)। देश की सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा ने छत्तीसगढ़ प्रदेश से बलौदाबाजार की लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। वहीं कांग्रेस की ओर से राजनांदगांव से जुझारु एवं सक्रिय शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार को राज्यसभा भेजना तय कर लिया गया है।

बता दें कि छत्तीसगढ़ से राज्यसभा के लिए मात्र दो सीट है। जिसमें एक सीट भाजपा की लक्ष्मी वर्मा के लिए तय हो गया है। वहीं दूसरे सीट कांग्रेस के खाते में जाने वाली है। अतः उस सीट पर राजनांदगांव के युवा नेता जितेन्द्र मुदलियार का नाम तय हो गया है। सूत्रों की मानें तो जीतू की सक्रियता व युवाओं के बीच बने उनकी लोकप्रियता के चलते राज्यसभा सदस्य बनाए जाने के चांस बढ़े हैं। बताते चलें कि अविभाजित राजनांदगांव जिले के 6 विधानसभा सीटों में से 5 पर कांग्रेस का कब्जा है। वैसे भी चाहे लोकसभा चुनाव हो या पिछला दोनों विधानसभा चुनाव कांग्रेस पार्टी द्वारा राजनांदगांव के लिए बाहरी प्रत्याशी ही थोपे गए हैं, इससे कांग्रेसियों में खासी नाराजगी है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्गी राजा का उनके निवास में आना लाभकारी रहा। उन्होंने समीकरण बिठाते हुए राजनांदगांव से कांग्रेस के युवा नेता जीतू मुदलियार को छत्तीसगढ़ से राज्यसभा के लिए चुनकर भेजा जाना मुफीद समझा गया। जीतू का नाम राज्य सभा के लिए तय होते ही उन के समर्थकों उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। (एचएन)

जीतू की सांगठनिक सक्रियता ने उसके पक्ष में बनाया माहौल

कांग्रेस संगठन विस्तार पर चर्चा : जिला अध्यक्ष विपिन यादव ने पीसीसी चीफ दीपक बैज से लिया मार्गदर्शन, दी होली की बधाई

रायपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सम्मानित अध्यक्ष दीपक बैज से उनके निवास रायपुर में राजनांदगांव जिला कांग्रेस के अध्यक्ष विपिन यादव के साथ प्रभारी महामंत्री राहुल तिवारी, महामंत्री चुम्मन साहू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अकिल मेमन एवं ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री भावेश सिन्हा भी मौजूद थे। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने होली पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। बैठक में जिले में चल रही राजनीतिक गतिविधियों, संगठनात्मक पहल और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके अलावा जिला कांग्रेस कमेटी के विस्तार और संगठन सुदृढ़ीकरण के मुद्दों पर विपिन यादव ने दीपक बैज से मार्गदर्शन लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन यादव के पिता, पूर्व विधायक प्रकाश यादव को याद करते हुए उनसे फोन पर भी संवाद किया और उनके क्षेत्र सेवा के योगदान की सराहना की। मुलाकात में नेताओं ने संगठन में एकजुटता, ग्रामीण एवं शहरी मुद्दों पर सक्रियता और जनसमर्थन बढ़ाने के प्रयासों पर विचार-विमर्श किया। जिससे आगामी राजनीतिक गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यों को और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके।

रमन नगर प्रकरण : भाजपा पार्षद रवि सिन्हा का पलटवार, कहा - गरीबों के नाम पर राजनीति बंद करें कांग्रेस

राजनांदगांव (दावा)। रमन नगर (बांसपाई पारा, वार्ड 39) में बेदखली नोटिस को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच भाजपा पार्षद रवि सिन्हा ने कड़ा प्रतिवाद किया है। उन्होंने विरोधियों को नसीहत देते हुए कहा कि गरीबों के नाम पर राजनीति करना बंद किया जाए। सिन्हा ने स्पष्ट किया कि नगर निगम की कार्यवाही पूरी तरह नियमानुसार और शासन के निर्देशों के अनुरूप है। पार्षद रवि सिन्हा ने जोर देते हुए कहा कि रमन नगर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का निर्वाचन क्षेत्र है। यहां के प्रत्येक नागरिक की चिंता भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि किसी भी गरीब परिवार के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना का लक्ष्य लोगों को पक्का घर देना है, उन्हें बेघर करना नहीं।

विपक्ष के आरोपों को बताया आधारहीन

महापौर मधुसूदन यादव पर लगाए जा रहे आरोपों को उन्होंने राजनीतिक द्वेष से प्रेरित बताया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा पर निशाना साधते हुए सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों सत्ता में रहने के बावजूद इन बस्तियों के नियमितीकरण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अब जनता को भड़काना और आत्मदाह जैसी दुर्भाग्यपूर्ण बातें करना उनकी गैर-जिम्मेदाराना राजनीति को दर्शाता है। भाजपा पार्षद ने प्रशासन और जनता के बीच संवाद की वकालत करते हुए कहा कि भाजपा एक सेतु के रूप में कार्य कर रही है। उन्होंने साफ किया कि बिना पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था के किसी भी परिवार को नहीं हटाया जाएगा। यदि तकनीकी या कानूनी प्रक्रिया चल रही है तो उसका समाधान संवाद और वैकल्पिक व्यवस्था से निकाला जाएगा। अंत में रवि सिन्हा ने रमन नगर के निवासियों से अपील की कि वे किसी के बहकावे में न आएं। भाजपा सरकार हर पात्र परिवार को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और उनके सम्मान व अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

होली पर हुड़दंग करना पड़ा महंगा : घुमका पुलिस ने उत्पात मचाने वाले दो युवकों को दबोचा

घुमका (दावा)। रंगों के त्यौहार होली पर शांति व्यवस्था भंग करने और नशे की हालत में हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ घुमका पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस ने चौक-चौराहों पर उत्पात मचा रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार, होली त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकित शर्मा के निर्देशन में जिले भर में विशेष पेट्रोलिंग की जा रही थी। इसी दौरान थाना घुमका पुलिस को सूचना मिली कि घुमका चौक के पास दो युवक शराब के नशे में हंगामा कर रहे हैं और आने-जाने वाले लोगों को परेशान कर रहे हैं।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पेट्रोलिंग टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गणेश यादव पिता ईश्वरी यादव उम्र 28 वर्ष, दुर्गेश निषाद पिता संतोष निषाद उम्र 19 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम घुमका के रूप में हुई है। थाना प्रभारी घुमका ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं डोंगरगांव एसडीओपी श्रीमती मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध बीएनएसएस (बीएनएस) की धारा 170-126 और 135(3) के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों को एसडीएम न्यायालय राजनांदगांव के समक्ष पेश किया गया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्यौहारों के दौरान अशांति फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। हुड़दंगियों पर लगाम कसने के लिए पुलिस की पेट्रोलिंग टीम लगातार क्षेत्र में सक्रिय है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com